मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 276
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राज्यसभा में आप का किला ध्वस्त, राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल बीजेपी में शामिल, नितिन नबीन ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने भाजपा मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो तिहाई सांसदों ने भाजपा में विलय की घोषणा की है। राघव चड्ढा ने एक्स पर लिखा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के माननीय अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे।

इससे पहले संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में अअढ के दो-तिहाई सदस्य होने के नाते हम भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल और संदीप पाठक 2022 से आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से पूरी तरह भटक चुकी है।

उन्होंने आरोप लगया कि पार्टी अब देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है, बल्कि निजी लाभ के लिए काम कर रही है। आपमें से कई लोग पिछले कुछ वर्षों से मुझसे यही कहते आ रहे हैं, और मैंने भी व्यक्तिगत रूप से महसूस किया है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। मैं दोहराता हूं, 'मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं।' इसलिए, आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं और जनता के पास जा रहा हूं।

राघव चड्ढा ने आगे कहा कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सांसद, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से दो तिहाई से अधिक इस मामले में हमारे साथ हैं। उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं और आज सुबह हमने हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा अध्यक्ष को सौंप दिए हैं... उनमें से तीन आपके सामने उपस्थित हैं। हमारे अलावा, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी उपस्थित हैं।

बंगाल में महिला सुरक्षा पर पीएम मोदी का टीएमसी पर बड़ा हमला

कोलकता, 24 अप्रैल। आरजी कर रेप-मर्डर केस को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर शायद सबसे तीखा हमला करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीड़िता की मां ने उसे डॉक्टर बनाने के लिए बहुत मेहनत की, लेकिन टीएमसी के जंगल राज में उसे खो दिया। आरजी कर पीड़िता की मां के साथ दमदम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि टीएमसी महिलाओं की रक्षा करने में नाकाम रही और इसके बजाय न्याय के लिए उनकी मांगों को दबा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि मां ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनने में मदद की। उस बेटी को टीएमसी ने उससे छीन लिया। हमने उस मां को उम्मीदवार बनाया है। आरजी कर रेप विक्टिम की मां रत्ना देबनाथ को बीजेपी ने बंगाल चुनाव में उनके होमटाउन पानीहाटी से मैदान में उतारा है। शुक्रवार को वह प्रधानमंत्री

के साथ स्टेज पर मौजूद थीं। 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर 9 अगस्त, 2024 को सरकारी RG कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में मरी हुई मिली थीं।

इस घटना पर पूरे देश में फैले गुस्से के बीच कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार कर उम्रकैद की सजा सुनाई गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया कि उसके साथ रेप किया गया, गला घोंटा गया और फिर गला दबाकर मार डाला गया। बंगाल में विरोध प्रदर्शन ममता बनर्जी सरकार के कानून-व्यवस्था को संभालने के तरीके पर बड़े पैमाने पर आरोप में बदल गए। ऐसा लगा कि पीएम मोदी टीएमसी पर हमला करते हुए इसी भावना को दिखा रहे थे।

प्रधानमंत्री ने संदेशखली का भी ज़िक्र किया, जिसने 2024 में जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर ध्यान खींचा था, और कहा कि बीजेपी ने वहां पीड़ितों को लीडरशिप के मौके दिए थे। उन्होंने टीएमसी पर, जो लगातार चौथे कार्यकाल की उम्मीद कर रही है, महिलाओं को बोलने से रोकने का आरोप लगाया। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजपी ने संदेशखली पीड़ितों में से एक रेखा पात्रा को पश्चिम बंगाल के बशीरहाट से टिकट दिया। हालांकि, पात्रा चुनाव हार गईं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जब बंगाल की बेटियां न्याय मांगती हैं, तो टीएमसी उन्हें रेप से बचने के लिए घरों से बाहर न निकलने के लिए कहती है।

पीएम मोदी का एसआईआर दांव पश्चिम बंगाल में हुआ फेल: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पनप रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पर लिखा कि पश्चिम बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग रक्फ़ के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं। मोदी जी का रक्फ़उन्हीं के खिलाफ हो रहा है।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा गुरुवार को यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत झ चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

विधानसभा चुनावों के लिए मतदान गुरुवार शाम को समाप्त हो गया। भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिनमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

दिल्ली से बंगाल चलाने की भूल न करें: ममता बनर्जी

कोलकता, 24 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में हर माँ-माटी-मानुष उम्मीदवार के लिए जनता से समर्थन माँगा, और बीजेपी पर बंगाल की संस्कृति को बिगाड़नेर का आरोप लगाया।

एक्स पर एक पोस्ट में सीएम बनर्जी ने बीजेपी पर परोक्ष हमला किया और कहा कि राज्य को दिल्ली से चलाया या नियंत्रित नहीं किया जाएगा। अपनी मातृभूमि के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने बंगाल की मजबूती से रक्षा करने की बात कही। चौरांगी, भवानीपुर, जादवपुर और टॉलीगंज में, मैंने लोगों को स्पष्ट इरादे के साथ, दृढ़, एकजुट और बंगाल, उसकी पहचान और उसके भविष्य की रक्षा के लिए तैयार देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे बंगाल को दिल्ली से चला सकते हैं, उसकी राजनीति को नियंत्रित कर सकते हैं,

उसके लोगों को बाँट सकते हैं, और उसकी संस्कृति को बिगाड़ सकते हैं, वे पूरी तरह से गलत हैं। इस धरती की याददाश्त बहुत लंबी है और इसकी रीढ़ बहुत मजबूत है।

उन्होंने आगे कहा कि बंगाल को कमजोर करने की कोशिशों का लोकतांत्रिक तरीके से कड़ा जवाब दिया जाएगा। बीजेपी पर बंगाल के अधिकार छीनने और अपना एजेंडा थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने इन चुनावों को प्रतिरोध की एक कोशिश के तौर पर देखा। जो लोग दिल्ली में बैठकर बंगाल के अधिकार छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साज़िश रच रहे हैं, उन्हें यह बात साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है, और वे अपने वोट के जरिए इसका जवाब देंगे। बंगाल को कमजोर करने की हर कोशिश का सामना एक निर्णायक लोकतांत्रिक विरोध से किया जाएगा। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण पाने की एक सुनियोजित कोशिश का विरोध करने के बारे में है। ममता बनर्जी ने सत्ताधारी टीएमसी द्वारा किए गए विकास और कल्याणकारी कार्यों पर भी बात की, और कहा कि लगातार रुकावटों के बावजूद बंगाल का विकास हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आपसी मतभेदों से ऊपर उठें और एक बार फिर टीएमसी को वोट देकर बंगाल की पहचान के लिए एकजुट होकर मतदान करें।

उन्होंने लिखा कि लगातार रुकावटों के बावजूद बंगाल में विकास हर घर तक पहुँचा है। हमारी कल्याणकारी योजनाएँ लोगों के लिए जीवनरेखा के समान हैं, और कोई भी ताकत—चाहे वह खुद को कितनी भी शक्तिशाली क्यों न मानती हो—लोगों से इन्हें छीन नहीं सकती। आज बंगाल प्रगति, शांति और गरिमा के लिए गर्व से खड़ा है। लोगों का प्यार और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, और बंगाल को कमजोर करने की हर कोशिश को नाकाम करेगा। मैं हर नागरिक से आग्रह करती हूँ कि वे आपसी मतभेदों से ऊपर उठें, एकजुट होकर खड़े हों, और बंगाल की भाषा, संस्कृति और भविष्य की रक्षा के लिए मतदान करें। चौरंगी से नयना बंदोपाध्याय, जादवपुर से देबब्रत मजूमदार, टॉलीगंज से अरूप बिस्वास, और 'माँ-माटी-मानुष' के हर उम्मीदवार को वोट दें।

डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, एक परिवार के 3 सदस्यों समेत 4 लोगों की मौत

मुरादाबाद, 24 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह मैनाठेर थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-संभल मार्ग पर हुई जब मुरादाबाद की ओर से आ रहे मिट्टी से भरे डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे ट्रॉली में सवार लोग सड़क पर गिर पड़े और मौके पर अफरातफरी मच गई। मैनाठेर थाना प्रभारी किरनपाल सिंह ने बताया कि ट्रॉली में सवार लोग पारिवारिक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सुमन (30), उनके

बेटे अजीत (12), बेटी सृष्टि (10) और एक अन्य की मौत हो गई। हादसे में 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। डंपर चालक भी हादसे में घायल हुआ है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

साई सुदर्शन के शतक से उड़े कई रिकॉर्ड्स, क्रिस गेल को पीछे छोड़ बने नंबर-1

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। साई सुदर्शन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ 57 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और इसी के साथ बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऐसा कारनामा किया है, जो अब तक कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था। सुदर्शन ने अपनी पारी से कई रिकॉर्ड तोड़ डाले। उन्होंने 58 गेंदों पर 100 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

सुदर्शन अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना खाता भी नहीं खोल सके थे। हालांकि, बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी की और 33 गेंदों पर अपना अर्धशतक लगाया। इसी के साथ उन्होंने कई

रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए। सुदर्शन आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा भी उन्होंने कई और रिकॉर्ड ध्वस्त किए हैं।

साई सुदर्शन ने बेंगलुरु के खिलाफ खेलते हुए आईपीएल करियर में 2000 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ वे पारियों के लिहाज से सबसे तेज ये कारनामा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

सुदर्शन ने 47 पारियों में 2000 रन पूरे किए हैं। उनसे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम पर दर्ज था। गेल ने 48 पारियों में ये कारनामा किया था। इस लिस्ट में ऋतुराज गायकवाड़ और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों का नाम शामिल है।

सुदर्शन और शुभमन गिल के बीच बेंगलुरु के खिलाफ पहले विकेट के लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी हुई।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

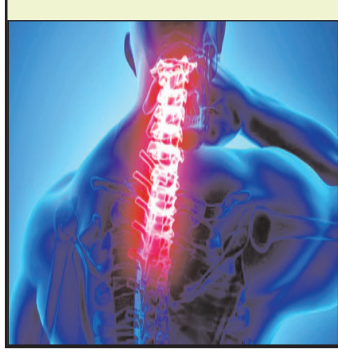

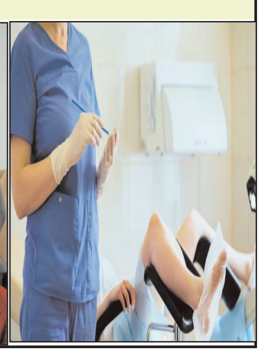

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

-ललित गर्ग

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है।

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्मार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है।

दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज को भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकट और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

हाल ही में, मणिपुर में वाई. खेमचंद सिंह की सरकार के गठन के बाद हिंसा में नए सिरे से वृद्धि देखी जा रही गई

अशोक भाटिया

हाल ही में, मणिपुर में वाई. खेमचंद सिंह की सरकार के गठन के बाद हिंसा में नए सिरे से वृद्धि देखी गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह वृद्धि कुकी समुदाय से एक उपमुख्यमंत्री को शामिल करने के साथ मेल खाती है, जिसकी पत्नी कथित तौर पर एक विद्रोही संगठन की प्रमुख है। संगठन ने अन्य लोगों के साथ मिलकर गृह मंत्रालय के साथ संचालन निलंबन (एसओओ) समझौते को सितंबर 2025 से बढ़ा दिया है। हालाँकि, इसका मतलब स्थायित्व नहीं है। संशोधित जमीनी नियमों के उल्लंघन की स्थिति में किसी भी पक्ष द्वारा एसओओ समझौते को किसी भी समय समाप्त किया जा सकता है। आमतौर पर सालाना नवीनीकृत किया जाता है, इसकी निरंतरता इन नियमों के पालन पर सख्ती से निर्भर करती है और इसे दीर्घकालिक व्यवस्था नहीं माना जा सकता है। यह महत्वपूर्ण सवाल उठाता हैः क्या एक विद्रोही नेता के जीवनसाथी के लिए नैतिक रूप से स्वीकार्य और प्रशासनिक रूप से विवेकपूर्ण है, यहां तक कि वर्तमान में युद्धविराम या एसओओ समझौते के तहत भी, मंत्रिपरिषद में सेवा करना नैतिक रूप से स्वीकार्य और प्रशासनिक रूप से विवेकपूर्ण है? ऐसे विद्रोही समूह ऐतिहासिक रूप से राज्य विरोधी गतिविधियों में लगे हुए हैं और यदि राजनीतिक वार्ता विफल हो जाती है या केंद्र समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला करता है तो उन्हें फिर से शुरू कर सकते हैं। क्या ऐसी स्थिति में किसी व्यक्ति को राज्य के रहस्य सौंपे जाने चाहिए और संवेदनशील सुरक्षा नीति निर्माण में शामिल किया जाना चाहिए? क्या इस तरह के व्यक्तिगत संबंध वाले मंत्री की उपस्थिति राज्य और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का जोखिम उठाती है? क्या कैबिनेट के सदस्य, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ऐसी परिस्थितियों में स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं?

इन चिंताओं को इस व्यवस्था के नैतिक, कानूनी और संवैधानिक आयामों के बारे में जनता के संदेह और धारणाओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री की ओर से स्पष्ट स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। वाक्यांश 'दुश्मन के साथ सोना' किसी विरोधी के साथ घनिष्ठ संबंध या सहयोग को संदर्भित करता है, जिसका अर्थ अक्सर विश्वासघात का जोखिम होता है। इस संदर्भ में, यह भेद्यता के बारे में चिंताओं को रेखांकित करता है, खासकर जब किसी ऐसे व्यक्ति पर विश्वास बढ़ाया जाता है जिसके करीबी सहयोगी के राज्य के विरोधी हित हो सकते हैं। यदि एसओओ समझौता समाप्त हो जाता है या समाप्त हो जाता है, तो एक कथित जोखिम है कि संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है। 19 अप्रैल 2026 को, मणिपुर के गृह मंत्री, गोविंददास कोंथौजम ने घोषणा की कि पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों में एसओओ समझौते के तहत आतंकवादी संगठनों के सभी अनधिकृत शिविरों को एक महीने के भीतर बंद कर दिया जाएगा। एसओओ समूहों और शांति निगरानी समिति के परामर्श से लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य स्थिरता बहाल करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी कैडरों को निर्दिष्ट शिविरों के भीतर रहना चाहिए और संशोधित जमीनी नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालाँकि, ये बयान अनधिकृत शिविरों के अस्तित्व और प्रवर्तन में चूक का संकेत देते हैं। उनका यह भी संकेत है कि गृह मंत्रालय की अध्यक्षता वाले संयुक्त निगरानी समूह के निदेशों को अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। इन आश्वासनों के बावजूद, सार्वजनिक चिंताएं बनी हुई हैं, खासकर हाल ही में हिंसा में वृद्धि के आलोक में। सवाल उठते हैं कि सरकार यह कैसे सुनिश्चित करती है कि संवेदनशील सुरक्षा जानकारी लीक न हो। एसओओ उल्लंघनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई पर कैबिनेट चर्चा कैसे आयोजित की जाएगी? वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपमुख्यमंत्री के साथ आयोजित कैबिनेट की बैठकें कितनी सुरक्षित हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति कमरे में मौजूद न हो या कैबिनेट की बातचीत न सुन सके? इस तरह के उल्लंघनों की स्थिति में किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा? यदि उपमुख्यमंत्री को इस तरह की चचाओं से बाहर रखा जाता है, तो यह विचार-विमर्श की प्रकृति का संकेत दे सकता है। यदि इसमें शामिल किया जाता है, तो हितों के टकराव के बारे में चिंताएं अनसुलझी रहती हैं। यह एक जटिल शासन दुविधा पैदा करता है। इंफाल-उखरुल रोड पर टीएम कासोम गांव में नागरिक वाहनों पर कुकी उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किया गया हमला, जिससे लितान में सशस्त्र एस्कॉर्ट सेवा के रुकने के बाद दो तांगखुल नागरिकों की मौत हो गई, जिससे संवेदनशील सुरक्षा संबंधी घटनाओं की अखंडता पर संदेह पैदा हो गया है। इसी तरह, बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलोबी गांव में बम हमले में दो बच्चों की दुखद मौत ने सार्वजनिक चिंता और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। क्या राज्य सरकार इन पहलुओं की सक्रिय रूप से जांच करेगी, या सुधारात्मक कार्रवाई करने से पहले और गंभीर घटनाओं की प्रतीक्षा करेगी? क्या राज्य के सुरक्षा ढांचे के भीतर संभावित कमजोरियों को जोखिम में डालना समझदारी है? ये गंभीर चिंताएँ हैं जिन पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान को इन मुद्दों पर तत्काल ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आबादी के कुछ हिस्से, विशेष रूप से नागा और मैतेई समुदायों के बीच, वर्तमान व्यवस्था से तेजी से असुरक्षित महसूस कर हैं।

इसका मतलब यह है कि कुकी उस क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं जहां मैतेई सैनिक के घर पर हमला किया गया था। राज्य में विभाजन इतना व्यापक है कि मेइतेई कुकी बहुसंख्यक तक नहीं पहुंच सकते हैं और कुकी मैतेई क्षेत्र से बहुत दूर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सामाजिक दंगों का इतिहास बताता है कि जिस क्षेत्र में वह अल्पसंख्यक है, वहां कोई भी समुदाय बहुसंख्यक नहीं होता है, लेकिन यह सामान्य ज्ञान है। चाहे वह बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, जो लोग जानते हैं कि उन पर हमला करने वाला कोई नहीं होगा, वे ऐसा नहीं करते हैं। इसलिए, मैतेई द्वारा पीटे जाने के बाद, जब यह देखा जाता है कि प्रशासन मैतेई समर्थक है। मैं, कुकी स्वयं अपने क्षेत्रों में जाते हैं और पाते हैं कि वे मैतेई समर्थक हैं। यदि ऐसा नहीं है, तो भी क्षेत्र के नेता का पहला कर्तव्य यह देखना चाहिए कि धार्मिक वैमनस्य फिर से पैदा न हो। बीरेन सिंह ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया, न ही वह इसे अपनी जगह पर आए अन्य शेरों को देना चाहते थे, लेकिन हो सकता है कि उनमें शांति पैदा करने की क्षमता न हो। किसी भी मामले में, यह किसी भी सरकार का कर्तव्य है कि वह इस नस्लीय घृणा और नरसंहार को रोके, अगर राज्य सरकार ऐसा नहीं कर सकती है, तो केंद्र को यह करना चाहिए। यह विश्वास करना मुश्किल है कि भारतीय नेतृत्व अपने ही पिछवाड़े में इस आग को नहीं बुझा सकता है, जब वास्तविक दुनिया के संघर्षों और गृहयुद्धों में शांति के निर्माण में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का सार्वभौमिक अहसास हो रहा है।

नकली दूध घी से कार्बाइड वाले फल तक हर जगह मिलावट

-पंकज शर्मा तरुण- विनायक फीचर्स

नकली दूध-घी की फैक्ट्री का पकड़ा जाना,फलों और सब्जियों में इंजेक्शन लगाना क्या हमारे विकसित होने की निशानी है? आप कहेंगे क्या पागल जैसे सवाल पूछ रहा है !सही कहा मैं तब वाकई पागल ही हो जाता हूं जब ऐसी खबरों को सुनता पढ़ता या देखता हूं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करना कानूनन अपराध है मगर इन मिलावट खोरों की जानबूझ कर अनदेखी करना,उनसे इन संगीन जानलेवा अपराधों को पकड़े जाने पर रिश्वत लेकर छोड़ देना इस मिलावट के अपराध से भी बड़ा अपराध है ।जो शासन प्रशासन में बैठे हमारे कथित भाग्य विधाता हैं ,वे अपनी जेबें, तिजोरियां भरने में लिप्त हैं। यदि हम इस पर यह तर्क सुनें कि जनसंख्या बढ़ने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है तो प्रथम तो यह कुतर्क ही माना जाएगा ।यह नेताओं ,अधिकारियों का नैतिक दायित्व है कि वे समाज को खाद्य पदार्थों के नाम पर विष देने वालों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं करते?

देश की भोली भाली जनता की आज यह स्थिति है कि वह खामोशी से इस अत्याचार को सह रही है। लगता है, उसने इस स्थिति को अपनी नियति ही मान लिया है। देश के नेताओं के एक सूत्रीय कार्यक्रम कि देश में केवल उन्हीं का राज कायम रहे और इस लक्ष्य की प्राप्ति में वे किसी को भी बाधक नहीं बनने देना चाहते !चाहे वे मिलावट खोर ही क्यों न हों। केवल औपचारिकता के नाम पर खाद्य अधिकारियों द्वारा खानापूर्ति करने के नाम पर सैंपल लेने की प्रक्रिया की जाती है, उसके पश्चात जनता भी खुश और अधिकारी भी सुखी। उन्हें उनकी जेबों की गर्मी खामोश कर देती हैं ।परिणाम जनता लाइलाज रोगों से ग्रसित पीड़ा भोग रही होती है।

देश में खाद्य विभाग तो बना है लेकिन इस विभाग में कर्मचारियों ,अधिकारियों की संख्या देखेंगे तो हैरान रह जाएंगे। एक अधिकारी के पास तीन तीन जिलों का प्रभार है! अब आप सोचिए कि एक चना भाड़ फोड़ सकता है? इतने अहम विषय पर सरकार का इस तरह उदासीन होना क्या दर्शाता है? बाजार में नई अबोध पीढ़ी के लिए निर्माण किए जा रहे रंगीन वेफर्स में कितनी घटिया खाद्य सामग्री पैक की जा रही है, इस पर कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं देता। स्थानीय लालची वेफर्स निमार्ता विख्यात कंपनियों के नाम के रंगीन पाउच धड़ल्ले से बेचने में सफल हैं ,और अकूत मुनाफा अर्जित कर रहे हैं मगर कोई देखने वाला नहीं ! ऐसा प्रतीत होता है जैसे इस गोरख धंधे को सरकार का मूक समर्थन है ।यदि ऐसा नहीं है तो इन लालची निमार्ताओं को विषैली खाद्य सामग्री के निर्माण से रोका क्यों नहीं जाता? बच्चों का मानो विज्ञान यह है कि वे रंग बिरंगे पाउच की ओर आकर्षित होते हैं और वे इन्हें पाने के लिए हठ करते हैं। बाल हठ के समक्ष अच्छे अच्छों को झुकना पड़ता है नतीजा गंभीर रोग, लिवर फेल और असामयिक मृत्यु !

मौसमी फलों के नाम पर भी आज जो फल बेचे जा रहे हैं उनकी कहानी भी आपको पता ही होगी,नहीं है तो जान लीजिए। वर्तमान में फलों के सीजन में आम, पपीते का नंबर आता है। जिसे समय से पूर्व पीले करने अथवा जल्द पकाने हेतु कार्बाइड नाम के विषैले रसायन का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है जो पूर्णतः प्रतिबंधित है,मगर इस में किसान से पूरे बगीचे खरीद कर व्यापारी खेतों में ही सिंचाई के दौरान कार्बाइड को सिंचाई में दिए जा रहे पानी में मिला कर उन्हें समय से पूर्व पीले पके हुए बताने लगता है। इसी प्रकार केला भी कार्बाइड में पका कर बेचा जा रहा है जो स्वास्थ्य खराब करने में सहायक है। आजकल बाजार में जो टमाटर आ रहा है बड़ा ही विचित्र टमाटर आ रहा है आपने भी महसूस किया होगा टमाटर का ऊपर का खोल इतना कठोर आ रहा है जिसे चबाने पर प्रतीत होता है वह प्लास्टिक कोटेड किया हुआ है ! यह भी एक खोज का विषय है जो वैज्ञानिक ही कर सकते हैं। इसी प्रकार जब से रामदेव बाबा ने कहा है कि लौकी का ज्यूस ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है,उसकी मांग रातों रात बढ़ गई है। इसकी जल्द आपूर्ति और जल्द बड़ा करने के लिए प्रतिबंधित इंजेक्शन का उपयोग किया जा रहा है। गाय भैंसों से दूध बढ़ाने में भी इसका उपयोग किया जाता है। मैं उसका नाम यहां बताना उचित नहीं समझता मगर सुधि पाठक इसका नाम भलीभांति जानते ही होंगे। यह फलों, सब्जियों को विषैला ही बनाता है जो स्वास्थ्य वर्धक नहीं है।

ऐसा लगता है, यह भारी मुनाफा कमाने के साथ- साथ आधुनिक अस्पतालों को भी फलीभूत कर रहे हैं?सवाल यह खड़ा होता है कि आम आदमी इन जहरीले खाद्य पदार्थों, वस्तुओं से कैसे बचें, कौन बचाएगा?अराजकता की चरम सीमा पर आम ओ खास किंकर्तव्य विमूढ़ता की भयावह स्थिति में फंसा महसूस कर रहा है। अब भगवान ही है जो हमें बचा सकता है? (विनायक फीचर्स)

क्यों बीमा से दूर है आम भारतीय?

-प्रियंका सौरभ

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति–ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है–भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन, यानी बीमा, से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है–बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता–वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच।

भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों ही वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा?

इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है–जागरूकता की कमी। देश के एक बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या, और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना ही बेहतर समझते हैं।

दूसरा बड़ा कारण है–आर्थिक प्राथमिकताएं। जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है–और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है।

तीसरा कारण है–बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ–ये सब मिलकर बीमा को एक ह्लकठिनह्व और ह्लउलझा हुआह्व उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती। इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर यह सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में यह धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का।

वितरण प्रणाली की कमजोरी भी एक अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है, और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा।

इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को भगवान की मर्जी मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा–पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJB), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSB) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो, तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।

हाल ही में पारित बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता (MGA) की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। MGA स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं। इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी बन सकती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया, तो यह बीमा क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

लेकिन केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं। असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है। इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा। जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा।

जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है। इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके।

नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कंपनियां ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता दें, दावा निपटान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाएं और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करें। डिजिटल तकनीक का उपयोग इस दिशा में सहायक हो सकता है, लेकिन इसके साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है।

अंततः, यह समझना होगा कि बीमा केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा तंत्र है। यह उस भरोसे का नाम है, जो व्यक्ति को अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिर रहने की शक्ति देता है। जब तक यह भरोसा मजबूत नहीं होगा, तब तक बीमा का दायरा सीमित ही रहेगा।

भारत के लिए ह्लसबका बीमा, सबकी रक्षाह्व केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हर नागरिक को आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होगा। और यह तभी संभव है, जब बीमा को आम भारतीय के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। वरना विकास की यह दौड़ अधूरी ही रह जाएगी, जहां चमक तो होगी, लेकिन सुरक्षा का साया नहीं।

सशक्त भारत की पहचान –नारी शक्ति, देश की भक्ति

-विक्रम दयाल

भारत की संस्कृति में नारी को सदा से उच्च स्थान दिया गया है। ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताह्व – यह केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि हमारे समाज की आत्मा है। एक सशक्त और विकसित भारत की कल्पना तब तक अधूरी है, जब तक उसकी नारी सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानित न हो। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रमुख धुरी भी है। वह माँ बनकर बच्चों को संस्कार देती है, जिससे एक अच्छे नागरिक का निर्माण होता है। वही बच्चा आगे चलकर देश की प्रगति में अपना योगदान देता है। इस प्रकार नारी की भूमिका सीधे-सीधे राष्ट्र के भविष्य से जुड़ी होती है। आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान, खेल, राजनीति या सेना–हर जगह उसने अपनी क्षमता और साहस का परिचय दिया है। नारी ने अंतरिक्ष में भारत का नाम रोशन किया, नारी ने मुक्केबाजी में विश्व स्तर पर पहचान बनाई, और नारी के नेतृत्वकारी व्यक्तित्व देश की अर्थव्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। ये उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि जब नारी को अवसर मिलता है, तो वह असंभव को भी संभव बना देती है। नारी शक्ति केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें देशभक्ति की भावना भी गहराई से समाई हुई है। इतिहास गवाह है कि जब-जब देश पर संकट आया, तब-तब महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दिया। उनकी वीरता और बलिदान आज भी हर भारतीय के दिल में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करते हैं। हालांकि, आज भी समाज में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। महिलाओं के प्रति भेदभाव, सुरक्षा की समस्याएँ और अवसरों की कमी जैसी बाधाएँ उनके विकास में रुकावट डालती हैं। लेकिन धीरे-धीरे जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान हो रहा है। सरकार और समाज दोनों ही मिलकर नारी सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। एक सशक्त भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम नारी को केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि समान अवसर भी दें। जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का अधिकार मिलेगा, तभी देश सही मायनों में प्रगति करेगा। अंततः यह कहना उचित होगा कि नारी शक्ति ही भारत की असली पहचान है और उसकी देशभक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत। जब नारी सशक्त होगी, तभी भारत सशक्त होगा। इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नारी के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करेंगे, क्योंकि उसी में हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य निहित है।

भिवंडी में भाजपा नेता अपर्णा यादव के खिलाफ सपा महिला कार्यकर्ताओं ने फोटो जलाकर जताया विरोध

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी से एक बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है जहां समाजवादी पार्टी (सपा) की महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता अपर्णा यादव के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बतादें कि सपा भिवंडी शहर जिला महिला अध्यक्ष सुग्गी देवी यादव के नेतृत्व में यह प्रदर्शन सपा कार्यालय के नीचे आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपर्णा यादव के फोटो के खिलाफ नारेबाजी की और प्रतीकात्मक रूप से अपना आक्रोश व्यक्त करते हुये फोटो जलाकर निषेध जताया गया। भिवंडी जिलाध्यक्षा सुग्गी देवी यादव ने कहा कि लखनऊ में अपर्णा यादव द्वारा समाजवादी पार्टी के झंडे के साथ की गई कथित घटना बेहद निंदनीय है और इससे पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस तरह की घटनाएं दोहराई गईं, तो सपा कार्यकर्ता और अधिक तीव्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया ।

क्राइम ब्रांच सेल–1 की बड़ी कार्रवाई: ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा, 13 युवतियों का रेस्क्यू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर क्राइम ब्रांच, सेल-1 ने नवघर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित भायंदर पूर्व, फाटक रोड पर संचालित अन्ना पैलेस ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा मारकर एक बड़े अवैध गतिविधि का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान कुल 13 युवतियों को रेस्क्यू किया गया। काशिमीरा पुलिस स्टेशन के क्राइम डिटेक्शन सेल-1 के प्रभारी अधिकारी सुशील कुमार शिंदे को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त बार में निर्धारित सीमा से अधिक लड़कियों को रखा जा रहा है तथा उन्हें ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए, अशोभनीय तरीके से नृत्य एवं इशारे करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आधार पर दिनांक 23 अप्रैल 2026 की मध्यरात्रि को पंचों एवं महिला पुलिस कर्मचारियों की उपस्थिति में छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान बार के मंच पर कुछ युवतियां आपत्तिजनक वेशभूषा में नृत्य करती हुई पाई गईं, वहीं अन्य युवतियां परिसर के विभिन्न हिस्सों में मौजूद थीं। जांच के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। बार परिसर में बाथरूम और सीढ़ियों के बीच की दीवार में छिपा हुआ एक संकरा गुप्त स्थान पाया गया, जिसे टाइल्स और इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे से छिपाया गया था। यह स्थान लगभग 8 फीट लंबा और 2.5 फीट चौड़ा था। इस गुप्त स्थान में 6 युवतियां एवं एक बच्चा अत्यंत भीड़भाड़ की स्थिति में छिपे हुए पाए गए, जिससे उनके जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। इस कार्रवाई में कुल 13 युवतियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस संबंध में नवघर पुलिस स्टेशन में कुल 13 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 110, 296, 54, 49 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों पर निर्धारित सीमा से अधिक महिलाओं को बार में रखना, उन्हें छिपाना, उनके जीवन को खतरे में डालना तथा अश्लील नृत्य कराने के आरोप हैं। यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस ऑपरेशन में प्रभारी अधिकारी सुशील कुमार शिंदे के नेतृत्व में पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हत्या के मामले में फरार आरोपी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई नालासोपारा: वसई एवं तुलिंज पुलिस स्टेशनों की क्राइम डिटेक्शन सेल-02 की संयुक्त टीम ने हत्या के एक गंभीर मामले में फरार आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 18 अप्रैल 2026 को रात लगभग 9 बजे उमेश राधेश्याम यादव (उम्र 38 वर्ष), जो नालासोपारा पूर्व स्थित पांडे पेलेस होटल में कार्यरत थे, को अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। हमले में उनके सिर, गर्दन एवं हाथ पर गंभीर वार किए गए थे। इस संबंध में शिकायतकर्ता योगेश सांचू यादव (उम्र 49 वर्ष) की शिकायत पर दिनांक 19 अप्रैल 2026 को प्रातः 3:48 बजे तुलिंज पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103(1) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुलिंज पुलिस स्टेशन एवं वसई क्राइम डिटेक्शन सेल-02 की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी एवं गोपनीय जानकारी के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी की पहचान आकाश कुमार अशोक कुमार गुप्ता (उम्र 28 वर्ष) के रूप में हुई, जो वर्तमान में तुर्भे, नवी मुंबई क्षेत्र में रह रहा था तथा मूलतः उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले का निवासी है। पुलिस टीम द्वारा तुर्भे में तलाश करने पर आरोपी फरार पाया गया। आगे की जांच में जानकारी मिली कि आरोपी उत्तर प्रदेश भाग गया है। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल उत्तर प्रदेश रवाना हुई और स्थानीय पुलिस की सहायता से प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र से आरोपी को हिरासत में लिया गया।

जैकलीन फर्नांडीज ने अक्षय कुमार को हील्स पहनकर डांस करने की दी चुनौती; अभिनेता ने मजेदार अंदाज में स्वीकार किया

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के मंच पर एक मजेदार और अनपेक्षित पल देखने को मिला, जब जैकलीन फर्नांडीज ने अक्षय कुमार को हाई हील्स पहनकर डांस करने की चुनौती दी। इस चैलेंज ने सभी को हैरान और मनोरंजन से भर दिया। चैलेंज देते हुए जैकलीन ने कहा, अगर तुम्हारे कदम रुके, तो मेरे अकाउंट में 1 लाख आएंगे। जिज्ञासु होकर अक्षय ने पूछा, कितने समय तक डांस करना है? जैकलीन ने जवाब दिया, एक गाने के लिए। अक्षय ने तुरंत मुस्कुराते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, एक मिनट, जैकलीन! अगर मैं एक मिनट डांस कर लूं, तो 1 लाख मेरे अकाउंट में आएंगे! मजा बढ़ाने के लिए जैकलीन अक्षय के लिए हील्स भी ले आईं।

सुपरफॉर्म कैमिस्ट्रीज कम्पनी में हुई क्लोरीन गैस पर ऑफ साइट इमरजेंसी मॉकड्रिल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। औद्योगिक सुरक्षा एवं सार्वजनिक आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिलाधिकारी डॉक्टर इंदुरानी जाखड़ की प्रमुख देखरेख में 22 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे पालघर जिला प्रशासन द्वारा तारापुर उद्योग क्षेत्र की सुपरफॉर्म कैमिस्ट्रीज लि. में काल्पनिक क्लोरीन गैस रिसाव पर आधारित एक ऑफ-साइट इमरजेंसी मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास रासायनिक दुर्घटना (आपातकालीन योजना, तैयारी एवं प्रतिक्रिया) नियम, 1996 के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस मॉक ड्रिल के दौरान सुपरफॉर्म कैमिस्ट्रीज लिमिटेड में काल्पनिक तौर पर निडल वाल्व खराब होने के कारण क्लोरीन गैस के बड़े पैमाने पर रिसाव की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। इस काल्पनिक घटना में एक कर्मचारी एवं आसपास के तीन नागरिकों के प्रभावित होने का परिदृश्य बनाकर आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय किया गया। जिला आपदा व्यवस्थापन अधिकारी विवेकानंद कदम ने विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी संदीप पाटील एवं अनुज पराते ने संभाली। औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक माधव तोटेवाड (पालघर) तथा नरेश देवराज (वसई) के मार्गदर्शन में उपसंचालक अमोल बाईट, हिम्मतराव शिंदे एवं श्रीनिवास सब्बन ने पूरी कार्यवाही का निरीक्षण किया। इस मॉक ड्रिल में पुलिस

विभाग, अग्निशमन दल, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य विभाग, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी), परिवहन विभाग तथा विभिन्न औद्योगिक संस्थानों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। पुलिस विभाग की ओर से जिला अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले एवं उप विभागीय पुलिस अधिकारी,बोईसर विकास नाईक एंव बोईसर के थाना प्रभारी सुनील जाधव नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कायम रखते हुए यातायात नियंत्रण किया गया तथा आपातकालीन वाहनों के लिए ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराया गया। आर टी ओ अविनाश काकड़ ने यातायात प्रबंधन में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। रेड जोन क्षेत्र से नागरिकों का सुरक्षित स्थलांतरण कर उन्हें राहत शिविरों तक पहुंचाने का कार्य पंकज गौतम के नेतृत्व में अजय राजपूत के सहयोग से किया गया। सिविल डिफेंस के उपनियंत्रक काशिनाथ कुरकुटे एवं एम एस आर टी सी के एजाज शेख ने इस अभियान में समन्वय स्थापित किया। अग्निशमन का कार्य तारापुर उद्योग क्षेत्र के अग्निशमन केंद्र अधिकारी वैभव तांडेल व उनकी टीम तथा एनडीआरएफ के कमांडर श्री पुनिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। औद्योगिक अग्निशमन टीम के रमेश हलवाई एवं मुकेश कदम ने विषैली गैस को नियंत्रित करने हेतु प्रभावी उपाय किए। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल,तारापुर (एमपीसीबी) के उप प्रादेशिक अधिकारी राजू वसावे, राजेंद्र पवार,महेंद्र फत्तेबहादुर व केतन पाटील ने वातावरण में विषैले तत्वों की निगरानी कर सुरक्षा सुनिश्चित की। चिकित्सीय सहायता सिविल सर्जन डॉ. रामदास मराड के मार्गदर्शन में प्रदान की गई।काल्पनिक घायल व्यक्तियों को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर आशीर्वाद हॉस्पिटल, बोईसर एवं थुंगा हॉस्पिटल, तारापुर उद्योग क्षेत्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. पराग कुलकर्णी एवं डॉ. दिलीप बिलोलीकर ने उनका उपचार किया।

विधायक कुमार आयलानी द्वारा आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को आमदार कुमार आयलानी द्वारा उनके जनसंपर्क कार्यालय में मुफ्त नेत्र परीक्षण, मुफ्त चश्मा तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन का शिविर आयोजित किया गया था जहां पर हजारों की संख्या में जरूरतमंद नागरिकों ने नेत्र परीक्षण कराया तथा मुफ्त चश्मा प्राप्त किया। वहीं कुछ लोगों को मोतियाबिंद पाया गया जिनका ऑपरेशन मुफ्त में किया जाएगा।

बतादें की नेत्र परीक्षण के शिविर लगाने वाले साकिब गोरे के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया गया था जहां पर मशीन के द्वारा लोगों की जांच की गई। इस दौरान पूर्व महापौर व नगरसेविका मीना आयलानी स्वयं उपस्थित रहीं तथा लोगों की सहायता की। मुफ्त चश्मा तथा नेत्र परीक्षण के बाद नागरिकों ने आमदार कुमार आयलानी का आभार व्यक्त किया।

दीप ग्लोबल स्कूल बोईसर में ग्रंथ संस्कार कार्यक्रम का उद्घाटन, पठन संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा

पालघर(उत्तरशक्ति)। दीप ग्लोबल स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, बोईसर में विश्व पुस्तक दिवस व कॉपीराइट दिवस के अवसर पर इंटरेक्ट क्लब व कालिदास भाषा क्लब के माध्यम से ग्रंथ संस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों और समाज में पठन संस्कृति को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन एवं ग्रंथ पूजन के साथ की गई। इस अवसर पर भगवद गीता और दासबोध का पूजन कर पुस्तकों के ज्ञान व संस्कारात्मक महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में कालिदास भाषा क्लब की प्रभारी कुमारी रिद्धि शेटे और श्रीमती प्रज्ञा संखे ने विद्यार्थियों को मौन वाचन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में एकाग्रता व गहन अध्ययन की आदत विकसित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित रोटेरियन संध्या शहापुरे ने प्रारंभिक आयु से पढ़ने की आदत के महत्व पर बल दिया, जबकि रोटेरियन अलका जैन ने वाचन के माध्यम से समझ बढ़ाने के महत्व को बताया। रोटेरियन विलास शहापुरे ने पुस्तकों को आत्मविकास का साधन बताया और रोटेरियन रेखेश जैन ने विद्यार्थियों को विश्लेषणात्मक दृष्टि से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। रोटेरियन वैशाली शिंदे ने विद्यार्थियों को विविध साहित्य पढ़ने एवं जिज्ञासा विकसित करने का संदेश दिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती वृंदा कुलकर्णी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि पठन ही आजीवन सीखने की नींव है। उन्होंने

घोषणा की कि यह कार्यक्रम अब प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से आयोजित की जायेगी। इसके अलावा विद्यालय का पुस्तकालय विद्यार्थियों, अभिभावकों व आसपास के नागरिकों के लिए भी खुला रहेगा। कार्यक्रम के दौरान वाचन सत्र, मौन वाचन, समूह चर्चा, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों द्वारा विचार साझा करना और बुक कल्चर प्रतिज्ञा जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। पुस्तक दान अभियान में अभिभावकों, मान्यवरों रोटेरियन संध्या शहापुरे, डॉ. आर्य भट्ट और वाचन कट्टा बोईसर के सदस्यों ने उदारतापूर्वक पुस्तकें दान कीं। चिन्मया विद्यालय के इंटरेक्ट क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का समापन दीप जूनियर कॉलेज की विभागाध्यक्ष श्रीमती भाविका गोहेल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. दीपा संखे का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। ग्रंथ संस्कार गतिविधि विद्यालय में पठन संस्कृति, मूल्य आधारित शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। “Read, Explore, Inspire” का संदेश इस आयोजन के माध्यम से साकार हुआ।

भिवंडी के पद्मानगर में आरसीसी नाले के निर्माण कार्य सुमित पाटिल द्वारा नारियल तोडकर किया गया शुभारंभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के वार्ड नंबर 16 स्थित पद्मानगर, राम मंदिर के पास लंबे समय से बनी हुई जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यहां लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन नगरसेवक सुमित पाटिल के हाथों नारियल तोडकर किया गया। बतादें कि इस परियोजना के लिए निधि भिवंडी लोकसभा के पूर्व सांसद एवं केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल द्वारा स्वीकृत कराई गई थी। भूमि पूजन कार्यक्रम हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वार्ड नंबर 17 के नगरसेवक सुमित पाटिल और वार्ड

नंबर 16 की नगरसेविका स्नेहा पाटिल के पति व समाजसेवक मेहुल पाटिल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।भूमि पूजन के दौरान नारियल फोड़कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर लोगों ने खुशी व्यक्त की। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस क्षेत्र में भारी जलभराव होता था, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता था। नगरसेवक सुमित पाटिल और समाजसेवक मेहुल पाटिल ने पूर्व में इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, जिस पर अब कार्य शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना को मंजूरी दिलाने में परेश चौगुले उर्फ राजू, क्षमा मनोज ठाकुर, राजेश शेट्टी और स्नेहा मेहुल पाटील का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। इस नाले के निर्माण से पद्मा नगर के निवासियों को मानसून में होने वाली जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भांडुप में नागरिक समस्याओं का विस्फोट, महानगरपालिका की निष्क्रियता पर सदन में जोरदार हमला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भांडुप जैसे तेजी से विकसित हो रहे इलाके में एक तरफ ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, तो दूसरी ओर मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी सामने आ रही है। इसी पृष्ठभूमि में स्थानीय नागरिकों के मुद्दों को लेकर मुंबई महानगरपालिका के बजट अधिवेशन में शिवसेना (ठाकरे गुट) की नगरसेविका राजोल संजय पाटिल ने कई गंभीर प्रश्न मजबूती से उठाए।

उन्होंने बताया कि झोपड़पट्टी बहुल क्षेत्रों में आज भी व्यवस्थित सीवरेज लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे नागरिकों को गंदगी, स्वास्थ्य संबंधी खतरे और रोजमर्रा की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ते शहरीकरण के बावजूद महानगरपालिका मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है, ऐसी कड़ी आलोचना उन्होंने की।

इसके अलावा, पूरे प्रभाग में एक

भी सरकारी अस्पताल न होने के कारण आम नागरिकों को महंगे निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे खासकर झोपड़पट्टी में रहने वाले परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग भी सदन में रखी।

डंपिंग ग्राउंड के आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य का मुद्दा भी गंभीर बताया गया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए डंपिंग ग्राउंड को मुंबई से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की गई।

वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में पानी की समस्या उठाते हुए उन्होंने कहा कि मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले स्रोत पास में होने के बावजूद स्थानीय लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है, जो एक बड़ी विसंगति है। नागरिकों को नियमित, पर्याप्त और न्यायसंगत पानी मिले, इसके लिए संघर्ष जारी रहेगा, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

कुल मिलाकर भांडुप में सीवरेज, स्वास्थ्य सेवा, कचरा प्रबंधन और पानी जैसी मूलभूत समस्याओं पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत पर जोर देते हुए महानगरपालिका की निष्क्रियता की कड़ी आलोचना की गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

फेरीवाला वाला पथक गुंडों के दबाव में न आएं : दीपेश म्हात्रे

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका की स्थायी समिति की बैठक में सहायक आयुक्त भारत पवार को भाजपा सदस्य मंदार हल्बे ने कड़े सवालों के घेरे में लिया। डोंबिवली में तीन दुकानों (गाळों) को सील करने की कार्रवाई को लेकर हल्बे ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई फेरीवालों के कहने पर की गई है और पवार कार्रवाई के नाम पर फेरीवालों का पक्ष ले रहे हैं। इन आरोपों के बाद पवार कुछ समय के लिए निरुत्तर नजर आए।

20 अप्रैल को हुई महासभा में भी फेरीवालों के मुद्दे पर सभी दलों के सदस्यों ने नाराजगी जताई थी। आरोप लगाया गया था कि कार्रवाई से पहले ही फेरीवालों को जानकारी मिल जाती है और कुछ अधिकारी-कर्मचारी उनके साथ मिले हुए हैं। इसी मुद्दे को फिर से स्थायी समिति की बैठक में उठाया गया।

हल्बे ने सवाल किया कि जिन तीन दुकानों को सील किया गया, क्या उन्हें पालिका अधिनियम के अनुसार पहले नोटिस दिया गया था? इस पर पवार ने स्वीकार किया कि नोटिस जारी नहीं किया गया था और शिकायत के आधार पर सीधी कार्रवाई की गई। इस पर हल्बे ने नाराजगी जताते हुए कहा कि फेरीवालों की शिकायत पर बिना नियमों का पालन किए कार्रवाई करना गलत है। भाजपा सदस्य दीपेश म्हात्रे ने भी पवार को चेतावनी देते हुए कहा कि फेरीवाला पथक गुंडों के दबाव में न आएं और कार्रवाई में पारदर्शिता रखें। बैठक में डोंबिवली और टिटवाला में स्थित रात्रि निवारा केंद्रों का मुद्दा भी उठा। डोंबिवली के रात्रि निवारा केंद्र को निजी ठेकेदार को देने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन इसके लिए अभी तक सरकार से फंड प्राप्त नहीं हुआ है। सदस्यों ने यह भी कहा कि ये केंद्र अब लॉजिंग-बोर्डिंग की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं और कुछ लोग पारिवारिक कारणों से वहां रह रहे हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुए सभापति मल्लेश शेट्टी ने इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया और निर्देश दिया कि जब सरकार से फंड प्राप्त हो जाए, तब इसे दोबारा मंजूरी के लिए लाया जाए।

उत्तर मुंबई भाजपा मीडिया प्रभारी ने पश्चिम बंगाल के हुगली लोकसभा क्षेत्र की महिलाओं की कमान संभाली

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पश्चिम बंगाल के पहले चरण का चुनाव संपन्न हुआ है 90% से अधिक का मतदान रिकॉर्ड मतदान से पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की आंधी होने का अनुमान और भरोसा भाजपा मान रही है। 29 अप्रैल को दूसरे चरण के चुनाव अभी बाकी हैं। उत्तर मुंबई की मीडिया प्रभारी नीला बेन कनुभाई राठोड़ सोनी को भाजपा मुंबई से पश्चिम बंगाल चुनाव में महिला मोर्चा की जिम्मेदारी हेतु भेजा गया है।

पश्चिम बंगाल की प्रदेश अध्यक्ष फाल्गुनी पात्र ने नीला सोनी को हुगली जिले के महिला मोर्चा संभालने और दमदार कामयाबी के लिए रवाना किया था।

नीला सोनी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि हुगली में कुल 7 विधानसभा है। उसमें आजतक कोई भी भाजपा का विधायक नहीं है। इस बार भाजपा ने 7 में से 2 महिला प्रत्याशी भी दी है। हुगली में महिला मोर्चा द्वारा 8 रैलियां, और 6 महिला सम्मेलन अब तक आयोजित हुए हैं। देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह की जाहिर सभा को हुगली में जोरदार प्रतिसाद मिला। स्टार प्रचारक में देश के केंद्रीय नेता ने हुगली में दौरे किए हैं जिसके कारण वातावरण काफी उत्साह से भरा हुआ है। केंद्रीय नेता श्रीमती स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, सुप्रसिद्ध गायिका और छोटी उम्र की विधायिका मैथिली ठाकुर के द्वारा प्रचारसभाएं काफी भीड़ और जनता के भरोसे को मजबूत कर रही है। नीला सोनी ने अपनी वाणी से और बंगाली भाषा में भी प्रत्येक सभाओं को संबोधित किया है। जिससे स्थानीय लोगों में और कार्यकर्ता में अत्यंत प्रसन्नता का माहौल बन रहा है। बता दें कि हुगली लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार दीपांजन गुहा (चंदन नगर), सुबीर नाग (चिन्सुराह), डॉ.अरुण कुमार दास (सिंगुर), श्री स्वराज घोष (सप्तग्राम), तुषार मजूमदार (पांडुआ), श्रीमती वणार्ली (धनियाखाली), श्रीमती सुमोना सरकार (बालाघार) इस प्रकार 7 विधानसभा से उम्मीदवार खड़े हैं। महिला प्रवासी के नाते नीला बेन कनुभाई राठोड़ सोनी है तो साथ ही पार्टी के उत्तर प्रदेश से जिला प्रवासी के नाते पूर्व सांसद (कन्नौज) सुब्रत पाठक ने तूफानी दौरे किए हैं ।ममता बनर्जी की सरकार के भ्रष्टाचार लिप्त,हिंसा और तृणमूल की गुंडागर्दी के सामने

भय नहीं भरोसा यह सूत्र पश्चिम बंगाल की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। और इसी सूत्र से जनता में प्रचंड उत्साह एवं निर्भीकता आई है।

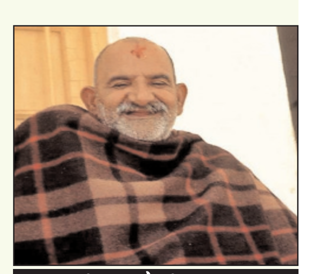
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

शाहगंज में सवारी बस ट्रक व डीसीएम से टकराई, एक की मौत, कई घायल

तेज रफ्तार का कहर

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जहां यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक और डीसीएम से जा टकराई। हादसा नये रेलवे स्टेशन गेट के सामने हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे खड़े भारी वाहनों में जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। सभी घायलों का इलाज जारी है। हादसे के चलते कुछ देर के लिए सड़क पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यह घटना एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों की ओर इशारा करती है।

जल शक्ति मिशन के पाइपों में आग: साजिश या संयोग, जांच में जुटा प्रशासन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जल शक्ति मिशन के तहत रखे गए पाइपों में आग लगने की घटनाओं ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हड़कंप मचा दिया है। जौनपुर, वाराणसी और बागपत में सामने आई इन घटनाओं में बड़ी संख्या में पाइप जलकर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे सरकारी परियोजना को भारी नुकसान पहुंचा है।

जानकारी के अनुसार, अलग-अलग स्थानों पर लगभग एक ही समय में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इससे यह सवाल उठने लगा है कि यह महज संयोग है या इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश या लापरवाही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले में रखे गए पाइप सुरक्षा के अभाव में जोखिम में थे, जिससे इस तरह की घटनाएं संभव हो सकती हैं। वहीं कुछ लोग इसे संदिग्ध मानते हुए गहन जांच की मांग कर रहे हैं।

प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इन घटनाओं ने परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रवासियों के अधिकार और सम्मान के लिए 'प्रवासी फाउंडेशन' का अभियान, 6 मई को सम्मेलन

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल से बड़े पैमाने पर हो रहे पलायन और प्रवासियों के अधिकारों के मुद्दे को लेकर एक नई पहल सामने आई है। प्रवासी फाउंडेशन के बैनर तले प्रवासी समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आगामी 6 मई को मुंगरा बादशाहपुर में प्रवासी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, पूर्वांचल के लोग वर्षों से रोजगार की तलाश में मुंबई सहित देश के विभिन्न महानगरों की ओर पलायन करते रहे हैं। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, जहां लोग अपनी पैतृक संपत्ति बेचकर महानगरों में बसने लगे हैं। हालांकि, इन शहरों में कई बार प्रवासियों को भाषा, क्षेत्रीयता और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बताया गया कि बड़ी संख्या में होने के बावजूद प्रवासी समाज आपसी एकता के अभाव में अपने अधिकारों के लिए प्रभावी आवाज नहीं उठा पाता। इसी कमी को दूर करने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रवासियों को एक मंच पर लाकर उनके सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए संगठित करना है।

प्रवासी सम्मेलन के बाद मुंबई में 'प्रवासी फाउंडेशन' के नाम से एक संगठित मंच बनाने की योजना है, जो गैर-राजनीतिक रूप से कार्य करेगा और गांवों के विकास के लिए सामूहिक रणनीति तैयार करेगा। इस पहल के तहत मुंगरा बादशाहपुर और आसपास के क्षेत्रों के प्रवासियों को जोड़ने का भी निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में आयोजकों अरविंद उपाध्याय और अमित दुबे ने मुंगरा बादशाहपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में अभियान की रूपरेखा और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रवासी समाज से एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मान के लिए आगे आने की अपील की।

विश्व धरती दिवस पर संस्कार भारती जौनपुर का 'अलंकरण दिवस' आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती जौनपुर इकाई द्वारा विश्व धरती दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल 2026 को बी.आर.पी. इंटर कॉलेज परिसर में "अलंकरण दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस दौरान बच्चों ने 'धरती बचाओ, जीवन बचाओ' विषय पर आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोलियां बनाईं। रंगोलियों के जरिए प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन का संदेश उपस्थित लोगों तक पहुंचाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य प्रमोद श्रीवास्तव मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन डॉ. सूरज जायसवाल द्वारा किया गया।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. ज्योति दास ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं मुख्य अतिथि ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे सराहनीय पहल बताया।

कार्यक्रम में ऋषि श्रीवास्तव, राजेश किशोर, रविकांत, शिवनारायण मिश्रा, विमल श्रीवास्तव, मंजू, राजीव श्रीवास्तव, प्रकाश चंद्र यादव एवं रविंद्र यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में संस्था के महामंत्री अमित गुप्ता (अंशु) ने सभी अतिथियों एवं विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

वाराणसी के सिगरा में दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सिगरा थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नगर पुलिया के पास एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान शिल्पा (32) पत्नी प्रिंस सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर पुलिस पहुंच गई।

किराए के मकान में रहता था परिवार बताया जा रहा है कि प्रिंस सिंह अपनी पत्नी शिल्पा और दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहते थे। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

2019 में हुआ था विवाह

खुशियों का था माहौल: जानकारी के अनुसार, प्रिंस सिंह और शिल्पा का विवाह मई 2019 में हुआ था। दोनों मूल रूप से जौनपुर जिले के चंदवक क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही सिगरा थाना प्रभारी संजय मिश्रा और नगर निगम चौकी प्रभारी पंकज पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। इसी के साथ फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुट गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जल जीवन मिशन साइट से इन्वर्टर-बैटरी चोरी, अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मटियाही गांव में जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन पानी की टंकी परिसर में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने टंकी के कमरे का ताला तोड़कर वहां से इन्वर्टर और बैटरी पार कर ली। मिली जानकारी के अनुसार, मटियाही निवासी राधेश्याम मौर्य पुत्र रामलाल मौर्य ने थाना सुजानगंज में तहरीर देकर बताया कि शनिवार की शाम चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए टंकी के कमरे में घुसकर इन्वर्टर व बैटरी चोरी कर ली। पीड़ित वहां पर पहरेदारी का कार्य करता है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। थाना अध्यक्ष अमित कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और चोरों की तलाश की जा रही है। ग्रामीणों ने घटना पर चिंता जताते हुए निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अंशुमान पांडे ने किया नाम रोशन, गांव वालों ने किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिभाएं संसाधनों की मोहताज नहीं होतीं। सच्ची प्रतिभा, दृढ़ निश्चय, और मेहनत के दम पर सीमित साधनों में भी सफलता के शिखर को छुआ जा सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है, जनपद के

बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव निवासी पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ श्रीपाल पांडे के पौत्र तथा मृदुल पांडे के पुत्र अंशुमान पांडे ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में उन्होंने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार के साथ-साथ गांव का नाम रोशन किया है। एनपीएस पब्लिक स्कूल, बदलापुर में पढ़ने वाले अंशुमान शुरू से ही अव्वल दर्जे के विद्यार्थी रहे। उनके शानदार परीक्षाफल को देखते हुए आज पांडे परिवार की तरफ से उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ श्रीपाल पांडे, पूर्व प्रधानाध्यापक रामअनंद पांडे, संपादक डॉ सुभाष चंद्र पांडे, सरपंच कैलाश नाथ पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, अशोक पांडे, देवेंद्र पांडे, आदर्श शिक्षक राहुल पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित हो।

पिंडरा में जनगणना प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक बेहोश, भीषड़ गर्मी और उमस बनी बड़ी वजह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पिंडरा क्षेत्र के बीडीओ सभागार में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक शिक्षक की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी के चलते यह घटना हुई, जिससे प्रशिक्षण स्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण सत्र के बीच ही शिक्षक हरेंद्र यादव की तबीयत अचानक खराब हो गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। वहां मौजूद अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों ने तुरंत उन्हें संभाला और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की। बेहोश हुए शिक्षक हरेंद्र यादव पिंडरा क्षेत्र के करखियांव स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत हैं। वे जनगणना से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे।

बढ़ती गर्मी और उमस से बिगड़ी हालत: मौके पे मौजूद लोगों की माने तो सभागार में गर्मी और उमस काफी अधिक थी, जिससे कई लोगों को असहजता महसूस हो रही थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण शिक्षक की तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गए।

हाईस्कूल में 91% अंक लाकर श्वेता सोनी ने किया विद्यालय टॉप, क्षेत्र में खुशी की लहर

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में क्षेत्र की मेधावी छात्रा श्वेता सोनी ने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वह साई नाथ इंटर कॉलेज, तिघरा खुटहन की छात्रा हैं। श्वेता सोनी, पिता मनोज सोनी एवं माता ममता सोनी की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परिजनों के अनुसार, श्वेता ने नियमित पढ़ाई, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की है। छात्रा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन, माता-पिता के सहयोग और शुभचिंतकों के आशीर्वाद को दिया है। विद्यालय परिवार ने भी श्वेता की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताते हुए कहा कि श्वेता की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

महिला पुलिस प्रशिक्षुओं का दमदार मार्च पास्ट, पासिंग आउट परेड की ग्रैंड रिहर्सल सम्पन्न

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में शुक्रवार को 594 महिला पुलिस प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड

को लेकर ग्रैंड रिहर्सल आयोजित की गई। प्रशिक्षुओं ने 20 टोलियों में विभाजित होकर आकर्षक मार्च पास्ट किया, जिसमें अनुशासन, तालमेल और दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला।

रिहर्सल के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने परेड का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पासिंग आउट परेड को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय तरीके से आयोजित किया जाए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक यातायात विवेक त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। रिहर्सल के जरिए परेड से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। महिला प्रशिक्षुओं के उत्साह और अनुशासन ने कार्यक्रम को खास बना दिया। आगामी पासिंग आउट परेड को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार नजर आ रहा है।

90.33% अंक हासिल कर रचा इतिहास

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा घोषित हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा 2026 के परिणाम में जनपद जौनपुर के रामपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचवल (अष्टभुजी) की मेधावी छात्रा भवाना यादव ने 90.33% अंक (कुल 542 अंक) प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी।

मेहनत और अनुशासन से मिली सफलता: भवाना यादव की सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति समर्पण का अहम योगदान रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात मेहनत की।

परिजनों के अनुसार, भवाना शुरू से ही पढ़ाई में रुचि रखती थीं और हर विषय को समझने का प्रयास करती थीं। उनकी यह उपलब्धि साबित करती है कि मजबूत इरादों के साथ कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता।

परिवार और शिक्षकों में खुशी: भवाना, पिता रामधनी यादव और माता पूनम यादव की पुत्री हैं। बेटी की इस सफलता से परिवार में गर्व और खुशी का माहौल है। शिक्षकों ने भी उनकी मेहनत और अनुशासन की सराहना की है।

गांव के लिए बनी प्रेरणा: ग्राम पचवल (अष्टभुजी) में भवाना की सफलता को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी।

उज्ज्वल भविष्य की कामना: भवाना यादव को क्षेत्रभर से बधाइयां मिल रही हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह आगे भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी।

अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़, 50 सिलेंडर बरामद-दो गिरफ्तार

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जाफराबाद थाना क्षेत्र के रामनगर भड़सरा गांव में गुरुवार को जिला पूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध गैस रिफिलिंग के बड़े कारोबार का पदार्फाश किया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर और रिफिलिंग उपकरण बरामद किए गए, जबकि पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित पूर्ति निरीक्षकों की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामनगर भड़सरा स्थित एक आम के बाग में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा है। सूचना पर पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, योगेंद्र यादव और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी योगेंद्र कुमार की टीम ने मौके पर छापेमारी की।

टीम के पहुंचते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग फरार हो गए। जांच के दौरान दो पिकअप/मैजिक वाहनों पर लदे करीब 50 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं ह्यबांसुरीह्ल नामक उपकरण से एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में अवैध तरीके से गैस भरी जा रही थी।

मौके से पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रवीण उर्फ साधू निवासी इटौरी बाजार (थाना सरायख्वाजा) और सत्येंद्र कुमार निवासी गोधना (थाना लाइन बाजार) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गैस गोदाम से सिलेंडर लाकर बाग में गैस कटिंग व रिफिलिंग का अवैध धंधा करते थे।

तौल के दौरान अधिकांश सिलेंडरों में 1 से 10 किलोग्राम तक गैस कम पाई गई, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की पुष्टि हुई है। पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना प्रभारी के अनुसार, बरामद सिलेंडर व वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है और मामले की जांच उपनिरीक्षक को सौंप दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

70 साल पुराना रास्ता बंद, 50 घरों के लोग परेशान, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

सरिता यादव

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के छितौना गांव में एक व्यक्ति द्वारा वर्षों पुराने रास्ते को बंद किए जाने का मामला सामने आया है। करीब 70 वर्षों से उपयोग में आ रही कच्ची सड़क को कथित तौर पर काटकर बंद कर दिया गया है, जिससे लगभग 50 घरों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव के ही कुछ लोगों—जिनमें सतीश कुमार (लेखपाल), अमित कुमार, सत्यं, प्रकाश, अरुण कुमार, दिनेश लाल और राधिका समेत अन्य शामिल हैं—पर सड़क और आसपास की जमीन पर कब्जा करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि यह रास्ता आबादी और चकमार्ग में आता है, जिसका उपयोग ग्रामीण लंबे समय से करते आ रहे थे।

आरोप है कि संबंधित लोगों ने सड़क के बगल में करीब ढाई बीघा जमीन पर भी अवैध कब्जा कर रखा है, जबकि उनके नाम पर सीमित

भूमि दर्ज है। ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने रास्ता खुलवाने और जमीन की पैमाइश की मांग की, तो उन्हें कथित तौर पर धमकियां दी गईं।

ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि रास्ते पर पक्की दीवार खड़ी करने की तैयारी की जा रही है, जिससे उनकी समस्या और बढ़ सकती है। इसको लेकर गांव में आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें: रास्ते की तत्काल पैमाइश कराकर कब्जा हटाया जाए, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, बाधित आवागमन को तुरंत बहाल किया जाए। ग्रामीण महिलाओं ने जिलाधिकारी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। जिलाधिकारी ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

अलफारूक पब्लिक स्कूल के छात्रों का सत्र 2025-26 में सीबीएसई कक्षा 10 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

कादीपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, अनुशासन एवं समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत अलफारूक पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षिक परंपरा को सिद्ध करते हुए सत्र 2025-26 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित कक्षा 10 के परीक्षा परिणामों में शानदार सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए, बल्कि पूरे क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 10 के छात्र अक्षांश वर्मा ने 89% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं श्रेया मिश्रा ने 87% अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा प्रिंस यादव ने 73% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इन विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी इसी प्रकार अनुशासन और समर्पण के साथ अध्ययन कर भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।

विद्यालय के प्रबंधक एवं समस्त शिक्षकों—सुधीश कुमार सिंह, साधना सिंह, बसंत कुमार मिश्रा, माला सिंह, शफक खान, पवन कुमार आदि—ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यालय के विद्यार्थी आगामी वर्षों में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे।

राजकीय महाविद्यालय में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब के राजकीय महाविद्यालय जक्खिनी में प्राचार्य डॉक्टर प्रोफेसर संतोष सिंह की अध्यक्षता में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ बृजेश यादव (असिस्टेंट प्रोफेसर- इतिहास) ने सोमनाथ के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि सोमनाथ मंदिर पर सत्रह बार आक्रमण किया गया और प्रत्येक बार उसका निर्माण किया गया जिससे यह विश्वास होता है कि वह न केवल आस्था का ही प्रतीक बल्कि भारतीय संस्कृति की प्रबलता का भी द्योतक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ आभा गुप्ता कार्यक्रम प्रभारी ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

उत्तर भारतीय मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

वसई रोड। भाजपा उत्तर-पश्चिम मुंबई द्वारा आयोजित भाजपा युवा मोर्चा मुंबई एवं उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई के नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा शामिल हुईं।

इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मुंबई के महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी, उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, भाजपा कामगार आघाड़ी मुंबई के अध्यक्ष अभिजीत राणे तथा कार्यक्रम के आयोजक एवं उत्तर-पश्चिम जिला भाजपा अध्यक्ष ज्ञानमूर्ति शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उत्तर-पश्चिम जिला अध्यक्ष ज्ञानमूर्ति शर्मा का रंजु झा ने हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर मंत्री ए.के. शर्मा की प्रेस वार्ता, विपक्ष पर लगाए आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया से वार्ता करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी का दर्जा दिया गया है और देश की समृद्धि में उनकी अहम भूमिका है।

मंत्री ने बताया कि महिलाओं को अधिकार दिलाने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में इस अधिनियम को आगे बढ़ाया गया और हाल ही में इसे पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था, लेकिन विपक्ष के कारण यह पास नहीं हो सका। इसे उन्होंने नारी समाज का अपमान बताया।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर महिलाओं में आक्रोश है, लेकिन सरकार का संकल्प मजबूत है और महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने मीडिया से इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

इस दौरान राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, डॉ. आर.के. पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

प्रवासी श्रमिकों के लिए नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण शिविर शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देश पर सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में प्रवासी श्रमिकों को राहत देने के उद्देश्य से 5 किलोग्राम निःशुल्क खाद्यान्न (FTL) वितरण शिविरों का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत श्रमिकों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। सतहरिया इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एसोसिएशन (रक्छ्अ) के सदस्य भी इसमें सक्रिय सहयोग कर रहे हैं और शिविर संचालन से लेकर लाभार्थियों की पहचान व वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के प्रयास समाज में सहयोग व समन्वय को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वितरण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाए, ताकि हर पात्र व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, सीडा के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चोरी के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई।

पुलिस के अनुसार मु0अ0स0-104/26 धारा 303(2) बीएनएस एवं बढ़ोतरी धारा 317(2) बीएनएस से संबंधित प्रकरण में आरोपियों की तलाश जारी थी। इसी क्रम में पुलिस ने दबिश देकर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मो. शारूख पुत्र सफीक एवं साकिब पुत्र सलाउद्दीन निवासी मल्हनी पड़ाव गदन अजानीं, थाना कोतवाली, जौनपुर के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक कंचन पाण्डेय, हेड कांस्टेबल अनिल दुबे, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल आनंद वर्मा एवं महिला कांस्टेबल रेखारतन शर्मा शामिल रहे। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0-83/2026 धारा 69 बीएनएस व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए जमदहां बाजार क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान श्रवण कुमार विन्द पुत्र रामपरीत निवासी खलौतीपुर, थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र गिरी व हेड कांस्टेबल विपिन पाण्डेय शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय भेज दिया है।

डॉ. नीरज प्रजापति को डॉक्टर दीक्षा विदाई समारोह संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी के निवासी डॉ नीरज मुन्ना लाल प्रजापति ने कड़ी मेहनत व समर्पण से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रजापति समाज संस्था के सम्माननीय सदस्य मुन्नालाल प्रजापति के सुपुत्र नीरज मुन्नालाल प्रजापति ने बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की डिग्री जीएमसी मेडिकल कॉलेज हास्पिटल जलगांव महाराष्ट्र 2025 को डिग्री पूर्ण कर एक वर्ष का इंटर्नशीप पूर्ण होने के बाद कालेज ने विदाई समारोह रखा था। जिसमें डॉ नीरज मुन्ना लाल प्रजापति को डिग्री देकर सम्मानित किया गया। अब वे एमडी की डिग्री हासिल करना चाहते है। उनके इस उपलब्धि के लिए समाज के सभी लोगों ने हार्दिक बधाई दी है। साथ ही साथ समाज व माता पिता का नाम रोशन किया। बता दें मुन्ना लाल प्रजापति का पैतृक गांव उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़, तहसील रानीगंज, विकास खंड शिवगढ़ ग्राम जामताली बाजार के मूल निवासी हैं। नीरज मुन्नालाल प्रजापति को डॉक्टर बनने पर पिता मुन्ना लाल प्रजापति, मां श्रीमती राजकुमारी प्रजापति, बड़े पिता अमृत लाल प्रजापति, बड़ी मॉ सीता देवी, बहन किरण प्रमोद प्रजापति, बहन संजना, शांति मनोज प्रजापति, मालती सुरेश, श्रीमती क्रांति संतोष, अंतिमा, अंकिता एवं प्रजापति परिवार के तरफ से लोगों दी हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, व्यवसायी शरद प्रजापति, अजय प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा के तरफ से बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस उपलब्धि से प्रजापति समाज बहुत गौरवान्वित है। इसके लिए प्रजापति समाज, बेटे और उनके माता-पिता को बहुत-बहुत बधाई देता है।

द यूवा वे : नवनीत ने पेश की नई नारुटो कलेक्शन

रांची। नवनीत के स्टेशनरी ब्रॅंड यूवा ने नारुटो थीम पर आधारित अपनी नई कलेक्शन पेश की है। यह एक विशेष प्रीमियम श्रेणी है, जिसमें लॉन्ग बुक्स, नोटबुक्स, स्पाइरल लॉन्ग बुक्स और ड्रॉइंग बुक्स शामिल हैं। यह शृंखला विल ऑफ फायर की भावना को कक्षा तक लेकर आती है और यूवा के उच्च गुणवत्ता वाले पेपर उत्पादों को नारुटो की लोकप्रिय दुनिया के साथ जोड़ती है। यह कलेक्शन हर छात्र और उपयोगकर्ता को शिनोबी जैसी दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास है। चाहे आप अपने विचारों को स्केच कर रहे हों या विस्तार से नोट्स बना रहे हों, यह सीरीज आपको अपने निंजा वे को अपनाने के लिए उपयुक्त साधन प्रदान करती है। यह साझेदारी नारुटो की व्यापक लोकप्रियता और सांस्कृतिक प्रभाव से प्रेरित है, जो आज भी बिग थ्री एनीमे सीरीज में एक प्रमुख स्थान बनाए हुए है। 2002 में शुरूआत के बाद से, एक युवा निंजा के गाँव के नेता बनने की यह कहानी समय के साथ वैश्विक स्तर पर सफलता का एक मजबूत उदाहरण बन गई है, और हाल ही में 2025 के एनीमे चार्ट्स में प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी इसका दबदबा देखा गया। इस श्रेणी में नारुटो एक प्रमुख और पसंदीदा शीर्षक के रूप में उभरता है, जिसने वर्ष 2025 की पहले छह महीने में अकेले 40 मिलियन घंटों का व्यूअरशिप हासिल किया। यूवा ने इसी ऊर्जा को अपनी नई शृंखला में शामिल किया है, जिसमें टीम 7 के प्रमुख किरदार नारुटो, सासुके और सकुरा के साथ उनके मार्गदर्शक काकाशी हताके को दशार्या गया है। उच्च गुणवत्ता वाले पेपर उत्पादों को इस प्रेरणादायी कहानी के साथ जोड़ते हुए, यूवा छात्रों को ऐसे साधन उपलब्ध कराता है जो मेहनत, निरंतर प्रयास और उपलब्धि की भावना को दर्शाते हैं।

यूवा के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर अभिजीत सान्याल ने कहा, हम अपनी नई यूवा कलेक्शन के माध्यम से नारुटो की ऊर्जा और उत्साह को लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह सहयोग केवल स्टेशनरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे ब्रॅंड और एक ऐसी लोकप्रिय शृंखला के मेल को दशार्ता है, जो युवाओं की रचनात्मकता का उत्सव मनाती है और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करती है।

समाजहित और एकता पर जोर, 1 मई को मुंबई में सम्मेलन

मुंबई। के पूर्व उपमहापौर और शिवसेना नेता बाबूभाई भवानजी ने समाज में एकता, संवाद और सकारात्मक कार्यों की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय विभाजन का नहीं, बल्कि एकजुट होकर समाजहित में काम करने का है। भवानजी के अनुसार, समाज में विभिन्न विचार और मत होना स्वाभाविक है, लेकिन इन मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाकर सामूहिक हित का मार्ग निकालना ही सच्ची समाजसेवा है। उन्होंने कहा कि मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता जिजाऊ के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि नारी सम्मान, स्वाभिमान और समाज रक्षा उनके जीवन के प्रमुख सिद्धांत थे। इन आदर्शों को आज के समाज में अपनाने की आवश्यकता है। भवानजी ने समाज में बढ़ती महिलाओं के प्रति असम्मान, अश्लीलता, धोखाधड़ी और सामाजिक विघटन की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की हर महिला की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने आगे कहा कि एक संस्कारयुक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए उनके सम्मान और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसी संदर्भ में 1 मई 2026 को शाम 4 बजे मुंबई के दादर पूर्व स्थित आरजू सभागार में एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सभी वर्गों और समुदायों के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे धर्म, जाति और भाषा से ऊपर उठकर एकता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करें, ताकि समाज, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

नकली दवाओं से मौत का कारोबार : फैक्ट्री से मरीज तक फैला खतरनाक सिंडिकेट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली देश की राजधानी दिल्ली सहित कई राज्यों में नकली दवाओं का काला कारोबार एक संगठित सिंडिकेट के रूप में तेजी से फैलता जा रहा है। यह नेटवर्क दवाओं के निर्माण से लेकर थोक सप्लाई, मेडिकल स्टोर और अंततः मरीज तक पूरी सप्लाई चेन में सक्रिय है, जिससे लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जानकारी के अनुसार, इस सिंडिकेट में अवैध फैक्ट्रियों में नामी कंपनियों की दवाओं की हूबहू पैकिंग तैयार की जाती है। असली जैसी दिखने वाली इन नकली दवाओं को बाजार में उतारकर मरीजों के साथ बड़ा धोखा किया जा रहा है। कई मामलों में इन दवाओं के सेवन से मरीजों की हालत बिगड़ने और मौत तक की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता है। नकली दवाओं को छोटे-छोटे डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से अलग-अलग शहरों में भेजा जाता है, जिससे इनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। कई बार असली और नकली दवाओं में फर्क कर पाना भी आम लोगों के लिए बेहद कठिन होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नकली दवाएं न सिर्फ बीमारी को ठीक करने में असफल रहती हैं, बल्कि शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव भी डालती हैं। इससे मरीजों की स्थिति और अधिक खराब हो सकती है।

सरकारी एजेंसियां समय-समय पर छापेमारी कर ऐसे रैकेट का खुलासा कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद यह कारोबार पूरी तरह से थम नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून के साथ-साथ जागरूकता भी बेहद जरूरी है।

क्या करें सावधानी:

हमेशा लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर से ही दवाएं खरीदें

दवा का बैच नंबर, एक्सपायरी डेट और पैकेजिंग जरूर जांचें

बेहद सस्ती दवाओं से सावधान रहें

डॉक्टर की सलाह के बिना दवा का सेवन न करें

नकली दवाओं का यह खतरनाक खेल स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है, जिस पर जल्द काबू पाना बेहद जरूरी है, ताकि मासूम लोगों की जिंदगी सुरक्षित रह सके।

सौम्य दुबे को 10वीं में 92 प्रतिशत मिलने पर लोगों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश बोर्ड के 10 वीं एवं 12वीं के परिणामों में कल्पना इंटरकालेज मड़ियाहूं जौनपुर का शानदार प्रदर्शन रहा जिसमें दोनों कक्षाओं में 97% से अधिक विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। कक्षा 10वीं की सौम्य दुबे ने 92% स्थान प्राप्त की है। वहीं सौम्य अरविंद दुबे ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर परिवार में खुशी की लहर फैल गई है। सौम्य (सोनू) दुबे के पिता अरविंद (मुन्ना) दुबे (शिक्षक), मां श्रीमती प्रतिभा अरविंद दुबे ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। माता पिता ने मुंह मिठा कराया है। और उज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं मनशील से जीजाजी वेदप्रकाश (शुभम) तिवारी इंजिनियर, बहन रितू तिवारी, द्विवेश (छोटू) मिश्रा, अवनीश (अनुज) मिश्रा, सौरभ दुबे, गौरव, महेश दुबे, प्रमिला, श्रीमती शिक्षक प्रिती तिवारी, राकेश तिवारी प्रधानाचार्य, राजेश तिवारी, विजय चंद मिश्रा रोहियांव, उर्मिला मिश्रा, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, ने सोनू को उतिर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई जनपद में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई। पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0-61/2026 धारा 69/87/137(2)/351 (3) बीएनएस व पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में नामजद आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को खेतासराय रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनुराग राजभर पुत्र सुखराम राजभर निवासी अहिरोपरशुरामपुर, थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अशोक कुमार वर्मा एवं कांस्टेबल प्रभाकर यादव शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्कूलों के पास चल रहे ईंट-भट्ठों से बच्चों की सेहत पर संकट, डीएम से शिकायत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के थानागद्दी इलाके में स्कूलों के नजदीक संचालित ईंट-भट्ठों को लेकर मामला गरमा गया है। समाजसेवी बजरंग बहादुर सिंह उर्फ बजरंगी ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर इन भट्ठों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

शिकायत में आरोप है कि गोमती नदी के उतरांचल और दक्षिणांचल क्षेत्रों में कई प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के पास ईंट-भट्ठे चल रहे हैं, जिनसे निकलने वाला जहरीला धुआं बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है। धुएं के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है और स्कूली बच्चों के फेफड़ों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने 28 मार्च 2026 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भी इस समस्या को लेकर वार्ता की थी, जिस पर जांच का आश्वासन मिला था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में पूरे मामले की गोपनीय जांच कराकर अवैध रूप से संचालित ईंट-भट्ठों को तत्काल बंद कराने की मांग की गई है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य की रक्षा हो सके।

बिजली उपभोक्ताओं का 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

सुरेश गांधी

वाराणसी। भीषण गर्मी के बीच प्रदेश सरकार ने आम बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देश पर अब कम लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस होने के बावजूद तत्काल नहीं काटा जाएगा। इस फैसले से खासतौर पर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ऊर्जा मंत्री के निर्देश के अनुसार, 1 किलोवाट तक के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन 30 दिनों तक नहीं काटा जाएगा, भले ही उनका बैलेंस पूरी तरह नेगेटिव क्यों न हो। स्पष्ट किया गया है कि पूरा बिलिंग चक्र (एक माह) पूरा होने से पहले किसी भी परिस्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं किया जाएगा। यह निर्णय उपभोक्ताओं को आर्थिक दबाव से उबारने के उद्देश्य से लिया गया है।

सरकार ने 2 किलोवाट कनेक्शन धारकों को भी राहत देते हुए कहा है कि 200 तक का माइनस बैलेंस होने पर कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। यह प्रावधान भी छोटे और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर लागू किया गया है। उपभोक्ता हितों को सर्वोपरि रखते हुए सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है- बिजली कनेक्शन काटने से पहले 5 चरणों में एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे ताकि उपभोक्ताओं को समय रहते भुगतान का मौका मिल सके. इससे अचानक बिजली कटौती जैसी समस्याओं पर भी रोक लगेगी। प्रदेश में बढ़ते तापमान को देखते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाई जाए. कहीं भी बिजली आपूर्ति बाधित न हो. फॉल्ट सुधार और ट्रांसफॉर्मर क्षमताऊर्जा विभाग के अनुसार अब तक करीब 30 लाख नए बिजली खंभे लगाए जा चुके हैं. ट्रांसफार्मरों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है. इन प्रयासों से प्रदेश की विद्युत व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत हुई है। ऊर्जा मंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बनकर उभरा है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि भीषण गर्मी में भी प्रदेशवासियों को बिजली संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यह फैसला स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार आम जनता की जरूरतों को प्राथमिकता दे रही है। खासकर गर्मी के मौसम में यह राहत लाखों परिवारों के लिए बड़ी सहूलियत साबित होगी। बढ़ती गर्मी और बिजली की बढ़ती मांग के बीच सरकार का यह निर्णय न सिर्फ राहत देने वाला है, बल्कि उपभोक्ता हितों के प्रति संवेदनशील शासन का भी प्रमाण है। अब देखना होगा कि जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था कितनी प्रभावी ढंग से लागू होती है।

इंदौर के क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य श्यामकांत दुबे का जन्मदिन मनाया गया

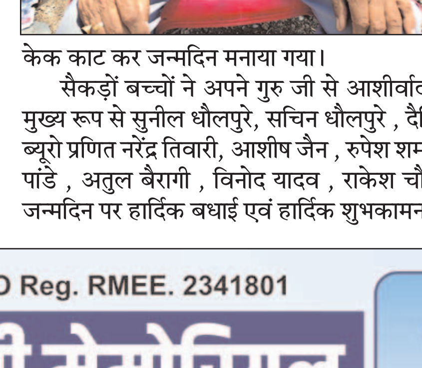

इंदौर (उत्तारशक्ति)। मध्यप्रदेश इंदौर मध्यप्रदेश निवासी श्यामकांत दुबे एक सरल सौम्या, विवेकवान, मृदु भाषी, विनम्र, ऊजार्वान व्यक्ति हैं। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य श्यामकांत दुबे का जन्मदिन 24 अप्रैल 2026 दिन शुक्रवार को अन्नपूर्णा रोड स्थित लक्ष्मन सिंह गौड़ क्रिकेट एकेडमी मैदान पर केक काट कर जन्मदिन मनाया गया।

सैकड़ों बच्चों ने अपने गुरु जी से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुनील धौलपुरे, सचिन धौलपुरे, दैनिकउत्तर शक्ति के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी, आशीष जैन, रुपेश शर्मा, राजा अरोड़ा, दीपेश पांडे, अतुल बैरागी, विनोद यादव, राकेश चौहान, दिपक ठाकुर भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

पिकअप की टक्कर से ऑटो चालक की मौत, पोता गंभीर घायल

- प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर के पास शुक्रवार शाम करीब 7 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पीछे से ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पोता गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक राजकुमार (50 वर्ष) निवासी इसुपुर खनपुर, थाना फूलपुर, जनपद आजमगढ़ अपने पोते अंश कुमार (10 वर्ष) और बहू के साथ किसी काम से जौनपुर आए थे। कार्य समाप्त कर घर लौटते समय जपटापुर के समीप पीछे से आ रही पिकअप ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल अंश कुमार का इलाज जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है।

पीएम मोदी के आगमन से पहले भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत, बूथ स्तर तक संपर्क अभियान तेज

-सुरेश गांधी

वाराणसी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 अप्रैल को प्रस्तावित वाराणसी दौरे से पहले भाजपा ने महिला सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। सर्किट हाउस में शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा, जिला व महानगर पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग बैठकों के जरिए रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। बैठकों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने स्पष्ट संदेश दिया कि यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नारी शक्ति के जागरण का अभियान है। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिए गए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिलाओं की भागीदारी निर्णायक होगी।

उन्होंने दो टूक कहा, जब नारी सशक्त होती है, तो समाज मजबूत होता है और जब समाज मजबूत होता है, तो राष्ट्र विश्वशक्ति बनता है। चौधरी ने महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, तीन तलाक कानून और पिछड़ा वर्ग आयोग को वैधानिक दर्जा देने जैसे फैसलों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के मुद्दे पर बाधा डालने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर तक संपर्क अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला मतदाता तक पहुंच बनाकर उन्हें इस ऐतिहासिक आयोजन से जोड़ना ही संगठन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा यह कार्यक्रम सिर्फ स्वागत नहीं, बल्कि महिलाओं के साथ संवाद और उनके नेतृत्व को स्थापित करने का मंच है।

बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की रूपरेखा रखी। इस दौरान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, मेयर अशोक तिवारी. विधायक नीलकंठ तिवारी, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा समेत महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, मीना चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया, कुसुम पटेल और विनिता चौरसिया के अलावा काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, जगदीश त्रिपाठी, राहुल सिंह, नवीन कपूर, संतोष सोलापुरकर, सुरेश सिंह, आत्मविशेश्वर, अशोक पटेल, मधुकर चित्रांश, ई. अशोक यादव, अभिषेक मिश्रा, सुरेंद्र पटेल, पवन सिंह, अरविन्द पटेल, प्रवीण सिंह गौतम, संजय सिंह, फौजदार सिंह आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे. महिला मोर्चा और संगठन पदाधिकारियों की बड़ी भागीदारी ने यह संकेत दे दिया है कि भाजपा इस सम्मेलन को सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ह्लनारी शक्ति के महाअभियानह्व के रूप में स्थापित करने की रणनीति पर काम कर रही है।

ट्रेलर से कुचलकर युवक की दर्दनाक मौत, दो घायल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की ट्रेलर से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, जीयनपुर कस्बा आजाद नगर बाग निवासी मुफीद (25) पुत्र शब्बीर बुधवार रात करीब 10:30 बजे खालिस बाजार से सामान पहुंचाकर घर लौट रहा था। डाक बंगला के पास ट्रेलर को ओवरटेक करने के दौरान उसकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। टक्कर के बाद वह ट्रेलर के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार सत्यम यादव और हिमांशु यादव निवासी महाराजगंज घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल सत्यम को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर चालक सहित अन्य संबंधितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक मुफीद कस्बे में समोसे की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह छह भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चलती ट्रेन से बंदी के फरार होने के मामले में तीन सिपाहियों को सजा

मऊ (उत्तरशक्ति)। चलती ट्रेन से बंदी के फरार होने के मामले में अदालत ने तीन पुलिसकर्मियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद तीनों सिपाहियों को एक-एक वर्ष के कारावास की सजा दी है। अदालत ने सुदामा यादव, सुधाकर सिंह और सूबेदार सिंह यादव को दोषी पाते हुए प्रत्येक पर 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर एक-एक माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। मामला उस समय का है जब वाराणसी से देवरिया पेशी पर ले जाए जा रहे लूट और जालसाजी के आरोपी ने चलती ट्रेन से फरार होने में सफलता पा ली थी। इस घटना को ड्यूटी में लापरवाही मानते हुए न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया और संबंधित पुलिसकर्मियों को दंडित किया। अदालत के इस फैसले को पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वसई-विरार महानगरपालिका के प्रभाग एच में कार्रवाई पर उठे सवाल

वसई-विरार महानगरपालिका के प्रभाग एच में फेरीवालों पर की जा रही कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के समाजसेवक मनोज गुप्ता ने आरोप लगाया है कि महानगरपालिका के कुछ कर्मचारी दोहरे मापदंड अपनाते हुए कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार, जो फेरीवाले हफ्ता देते हैं, उन्हें बिना किसी रोक-टोक के व्यवसाय करने दिया जाता है, जबकि जो इस अवैध मांग को पूरा नहीं करते, उनकी गाड़ियां जब्त कर कार्रवाई की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि जब भी नागरिकों द्वारा शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो महानगरपालिका द्वारा केवल दिखावटी कार्रवाई की जाती है। कुछ समय के लिए फेरीवालों को हटाया जाता है, लेकिन अगले ही दिन वे पुनः उसी स्थान पर व्यवसाय शुरू कर देते हैं, जिससे यह पूरी कार्रवाई मात्र औपचारिकता बनकर रह जाती है। मनोज गुप्ता ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की पक्षपाती कार्यप्रणाली पर जल्द रोक नहीं लगाई गई, तो भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से जनआंदोलन किया जाएगा।

कला संवाद की तीसरी ग्रुप आर्ट एग्ज़िबिशन में ताज आर्ट गैलरी में 33 कलाकारों का ग्लोबल आर्ट संगम

मुंबई। ताज आर्ट गैलरी (स्थित ताज महल पैलेस) में कला संवाद की तीसरी ग्रुप आर्ट एग्ज़िबिशन ग्लोबल आर्ट कॉन्फ़्लुएंस (संगम)ह्व का भव्य आयोजन हुआ। इस एकदिवसीय प्रदर्शनी में देश-विदेश के 33 कलाकारों, इंटरनेशनल डिप्लोमैट्स और कई गणमान्य हस्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के मूर्तिकार राम वी. सुतार को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि बेलारूस गणराज्य के काउंसिल जनरल अलियाकसांद्र मात्सुको और विशिष्ट अतिथि डॉ. विजय जी. कलंत्री सहित पद्म श्री डॉ. प्रकाश कोठारी, पद्म श्री उदय विश्वनाथ देशपांडे और पद्म श्री प्रेमजीत बारिया ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर निधि चौधरी (IAS), प्रेरणा देशभ्रतार (IAS), प्रशांत पाटिल (IRS), प्रो. हिम कुमार चटर्जी, डॉ. किशोर इंगले, प्रो. वाघमारे और प्रसिद्ध मूर्तिकार सुनील देवरे सहित कई प्रशासनिक, शैक्षणिक और कला जगत की हस्तियाँ उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी में पद्म श्री प्रेमजीत बारिया, पद्म श्री सुधारक ओल्वे, नंदू सरस्वती, शिल्पा सुराणा, श्रेयस खानविलकर, रूपल सोनिगरा, रोशन बंजारा, अर्चना मेहता, विनी कपूर, जेहरा गुलाम हुसैन सहित कुल 33 कलाकारों ने अपनी कला कृतियाँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें कला प्रेमियों और संग्राहकों ने सराहा।

इस आयोजन को राजकुमार शर्मा (कला संवाद) ने आयोजित किया, नंदू सरस्वती ने क्यूरेशन किया, हर्षित आर. शर्मा ने कॉन्सेप्ट डिजाइन तैयार किया और जगदीश पी. पुरोहित ने इसे प्रेरित किया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में कला संग्राहकों, मीडिया प्रतिनिधियों और कला प्रेमियों की उपस्थिति ने इसे मुंबई के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण आयोजन बना दिया।

टेम्बा अस्पताल निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं उजागर, एक्सपायर्ड दवाओं का

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री एवं पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज भायंदर पश्चिम स्थित पंडित भीमसेन जोशी (टेम्बा) अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में कई महत्वपूर्ण कमियां सामने आईं। 250 बिस्तरों की क्षमता वाले इस अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 500 से 600 मरीज उपचार के लिए आते हैं, बावजूद इसके कई बुनियादी सुविधाओं की कमी पाई गई। निरीक्षण के दौरान एक गंभीर मामला भी सामने आया, जिसमें अस्पताल को लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपये मूल्य की दवाइयां उपलब्ध कराई गई थीं, जिनकी वैधता अत्यंत सीमित अवधि की थी। जानकारी के अनुसार, 27 मार्च 2026 को एक संस्था के माध्यम से अस्पताल को दवाइयां दी गईं, जिनकी समाप्ति तिथि 30 मार्च 2026 थी। सामान्यतः अस्पतालों में पर्याप्त शेष वैधता अवधि वाली दवाइयों को ही स्वीकार किया जाता है। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने सतर्कता बरतते हुए दवाइयों की जांच की और उन्हें उपयोग में लेने से इंकार कर संबंधित संस्था को सूचित किया, जिससे संभावित जोखिम टल गया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवश्यकतानुसार पंचनामा करने और नियमों के अनुसार कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मीरा भायंदर नगर निगम के आयुक्त, अस्पताल प्रशासन के अधिकारी, चिकित्सक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

String Metav erse Limited ने मजबूत रिटेल भागीदारी के साथ सफल OFS की घोषणा की

मुंबई। String Me taverse Limited ने आज अपने इक्विटी शेयरों के Offer for SÔle (OFS) के सफल समापन की घोषणा की, जिसे सभी श्रेणियों के निवेशकों से मजबूत और व्यापक प्रतिक्रिया मिली। कंपनी ने विशेष रूप से रिटेल निवेशकों की मजबूत भागीदारी पर ध्यान दिया, जो इसकी विकास संभावनाओं और रणनीतिक दिशा में निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। OFS के सफल समापन के बाद, कंपनी को उम्मीद है कि वह लागू नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता आवश्यकताओं का पालन करेगी। सार्वजनिक शेयरधारकों की मजबूत भागीदारी और निरंतर समर्थन को देखते हुए, कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 29 अप्रैल, 2026 को निर्धारित है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, बोनस इक्विटी शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। आवश्यक स्वीकृतियों और लागू नियामक आवश्यकताओं के अधीन है। प्रस्तावित बोनस इश्यू को सार्वजनिक शेयरधारकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए संरचित किया जा सकता है। प्रमोटर बोनस शेयरों के अपने अधिकार को छोड़ सकते हैं/त्याग सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शेयरधारिता में वृद्धि को समर्थन मिलेगा। प्रस्तावित बोनस इश्यू निदेशक मंडल की स्वीकृति और ऐसी वैधानिक तथा नियामक स्वीकृतियों के अधीन रहेगा, जिनकी आवश्यकता हो सकती है।

सड़क दुर्घटना में छात्र की दर्दनाक मौत

मेंहनगर (आजमगढ़)। तहसील क्षेत्र के सरायभादी निवासी हीरालाल यादव के पुत्र विकास यादव (लगभग 13 वर्ष) की शुक्रवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विकास साइकिल से गांव के पास स्थित पिच रोड पर करीब 2:30 बजे सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान एक अनियंत्रित चार पहिया वाहन ने उसे कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन चिरैयाकोट से खरिहानी बाजार की ओर जा रहा था। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक विकास यादव दो भाइयों में छोटा था और पास के एक इंटर कॉलेज में कक्षा 6 का छात्र था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मां मंशा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है और वे बार-बार बेहोश हो जा रही हैं। इस घटना पर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने फोन के माध्यम से जानकारी लेकर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण इस दुख की घड़ी में परिवार को सहन करने की शक्ति दें।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के कुशैला (मोलनापुर) गांव निवासी लल्लन यादव (40 वर्ष) की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। वह घर से सुल्तानपुर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, अकबरपुर पेट्रोल पंप के समीप सुल्तानपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बस अचानक विपरीत दिशा में आ गई और उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लल्लन यादव सड़क किनारे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में पत्नी नीलम और तीन बच्चे– आदित्य (14 वर्ष), अंश (12 वर्ष) व पुत्री आराध्या (8 वर्ष) हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी नीलम बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ीं। घटना के बाद से पूरे परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सांसद सावरा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग महाअभियान में लिया भाग

पालघर। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मुंबई के दादर स्थित वसंत स्मृति में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग महाअभियान 2026 में भाग लिया। इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में संगठन को मजबूत बनाने और जनसेवा को अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में रविंद्र चव्हाण (महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष), अमित साटम (मुंबई प्रदेश अध्यक्ष) और किरीट सोमैया सहित कई पदाधिकारी और महासचिव उपस्थित रहे। शिविर के दौरान मार्गदर्शन, संवाद कौशल और नए संकल्पों पर जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि संगठन की ताकत ही सबसे बड़ी ताकत है और समर्पण, सेवा व संगठन के बल पर आगे बढ़ते रहने का संकल्प दोहराया गया।

अजय आर. सिंह का 68वां जन्मदिवस मनाया गया

मुंबई। केशवपाड़ा स्थित डॉ. बाबूलाल सिंह के क्लिनिक में अजय आर. सिंह का 68वां जन्मदिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह में राजेश सिंह, महानंद सिंह, डॉ. सचिन सिंह, नवीन सिंह, मोहित सिंह, दयाशंकर पाल, मैथ्यू चेरियन, राकेश मिश्रा, राजकुमार सिंह और रवि गुप्ता सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर अजय आर. सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण और उत्सवपूर्ण रहा, जहां उपस्थित सभी लोगों ने आपसी सहयोग और सम्मान की भावना को भी प्रदर्शित किया।

CREDAI-MCHI की प्रॉपर्टी एग्ज़िबिशन में बिके 234 घर, 398 करोड़ का लोन मंजूर

ठाणे। CREDAI-MCHI' ठाणे शाखा की तरफ से बालकुम के दोस्ती वेस्ट काउंटी में आयोजित 3 दिवसीय प्रॉपर्टी प्रदर्शनी को अच्छा प्रतिसाद मिला। आयोजकों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार 3 दिनों में ठाणे शहर,ज़िले और मुंबई के आस-पास के 20 हजार 467 लोगों ने एग्ज़िबिशन का दौरा किया। इनमें से 234 लोगों ने अपने सपनों का घर खरीदा। इस एग्ज़िबिशन में 398 करोड़ के लोन प्रपोजल मंजूर हुए हैं। क्रेडाई एमसीएचआई प्रेसिडेंट सचिन मिरानी, सेक्रेटरी फैयाज विरानी और एग्ज़िबिशन कमिटी के चेयरमैन विभव बोरकर ने इस रिस्पॉन्स जानकारी देते हुए प्रदर्शनी में भेंट देने वालों को धन्यवाद दिया। बताया गया कि एग्ज़िबिशन में ठाणे के 40 से ज्यादा बड़े डेवलपर्स के 100 से ज्यादा RERA-A´fic½OX हाउसिंग प्रोजेक्ट्स दिखाए गए। इसमें 55 लाख से शुरू होने वाले 1 इलड से लेकर प्रीमियम क्वालिटी वाले 4 इलड बड़े घर शामिल थे। इस एग्ज़िबिशन में घोड़बंदर रोड, कोलशेत, पोखरण और माजीवडा की प्रॉपर्टीज को सबसे ज्यादा रिस्पॉन्स मिला। पुराने ठाणे शहर में रीडेवलप्ड प्रॉपर्टीज में भी कस्टमर्स ने दिलचस्पी दिखाई। कम से कम 55 लाख से लेकर 2 करोड़ 25 लाख तक के घरों की सबसे ज्यादा डिमांड रही। कुछ यूनिक ऑफर की वजह से कई कस्टमर्स ने सीधे अपने घरों का रजिस्ट्रेशन कराया। इस एग्ज़िबिशन में स्टेट बैंक और यूनियन बैंक समेत कुछ बैंकों और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स के बूथ थे। कई कस्टमर्स के लोन एप्लीकेशन तुरंत प्रोसेस किए गए।

इस एग्जीबिशन के माध्यम से तेजी से विकसित हो रहे ठाणे शहर की ब्रांडिंग भी हुई। 'चलो ठाणे' की चर्चा रही। ठाणे शहर में प्लान किए गए ठाणे-बोरीवली टनल, मेट्रो, कोस्टल रोड और बुलेट ट्रेन स्टेशन के बैकग्राउंड में, इस एग्ज़िबिशन को NRIs और इन्वेस्टर्स से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अध्यक्ष सचिन मिरानी ने बताया कि

मुंबई मेट्रोपॉलिटन एरिया में सबसे ज्यादा रेजिडेंशियल घर और कमर्शियल प्रॉपर्टी ठाणे शहर में बिकीं। ठाणे शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का फायदा लोगों को मिल रहा है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक संजय केलकर, निरंजन डावखरे, मेयर डिप्टी मेयर के साथ मनपा आयुक्त सौरभ राव एवं जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल आदि लोग स्वयं इस प्रदर्शनी में पहुंचे और ठाणे के मॉडल को लोगों के समक्ष रखा। ठाणे महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि देश में भी एक आइडियल शहर बनकर उभरा है, ऐसा विश्वास सभी ने जताया। सेक्रेटरी फैयाज विरानी ने कहा कि प्रॉपर्टी एग्जीबिशन में शामिल ट्रांसपेरेंट हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, अलग-अलग आसान ऑप्शन और लोन फैसिलिटी को कस्टमर्स से तुरंत रिस्पॉन्स मिला। प्रॉपर्टी एग्ज़िबिशन कमिटी के चेयरमैन विभव बोरकर ने कहा कि जो कस्टमर इस एग्ज़िबिशन के जरिए आगे भी घर खरीदना चाहते हैं, उन्हें रजिस्ट्रेशन, छूट और घर का फाइनल पजेशन मिलने तक मदद की जाएगी। इस एग्ज़िबिशन में महारेरा और पानी बचाने पर एक सेमिनार भी हुआ। इसमें अभिनेत्री अमृता राव ने भी भाग लिया।

काशी से विकास का महाशंखनाद : पीएम मोदी 28 को देंगे 7000 करोड़ की सौगात

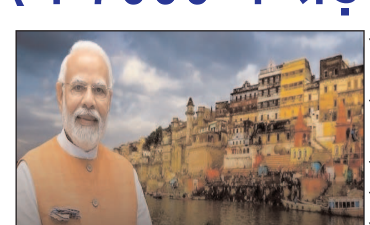

वाराणसी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से विकास का ऐसा महाशंखनाद करने जा रहे हैं, जिसकी गूंज पूर्वांचल से लेकर बंगाल तक सुनाई देगी। इस दौरे में वह करीब 7000 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, जिसमें आधुनिक रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर और महिला सशक्तिकरण का बड़ा संदेश शामिल है। ाबसे बड़ी सौगात के तौर पर प्रधानमंत्री वाराणसी से दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। बरेका जनसभा स्थल से वाराणसी - पुणे ट्रेन को रवाना करने के साथ ही अयोध्या - मुंबई ह्यअमृत भारत एक्सप्रेसह्ल का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। यह ट्रेन कनेक्टिविटी और यात्रियों की सुविधा के लिहाज से बड़ा कदम मानी जा रही है।

रेलवे तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए जल्द ही रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों का वाराणसी दौरा प्रस्तावित है। नई ट्रेनों के संचालन से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पूर्वांचल के बीच आवागमन और व्यापार को नई गति मिलेगी।

गंगा पर बनेगा देश का सबसे आधुनिक डबल डेकर ब्रिज

प्रधानमंत्री इस दौरान गंगा नदी पर करीब 2500 करोड़ की लागत से बनने वाले देश के सबसे चौड़े डबल डेकर सिग्नेचर ब्रिज की नींव भी रखेंगे। जिसमें नीचे 4 रेलवे ट्रैक, ऊपर 6 लेन की सड़क के साथ ही 100 किमी प्रति घंटा तक की रफ्तार से दौड़ेंगी गाड़ियां. करीब 1 किमी लंबे इस पुल से वाराणसी सीधे मुगलसराय से जुड़ जाएगा और 137 साल पुराने मालवीय पुल पर दबाव कम होगा।

50 हजार महिलाओं का महासम्मेलन, सियासी संदेश भी मजबूत

प्रधानमंत्री इसी दिन बरेका में आयोजित होने वाले विशाल महिला सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे, जिसमें लगभग 50 हजार महिलाओं की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। यह सम्मेलन न केवल सामाजिक बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम माना जा रहा है।

विश्वनाथ धाम में दर्शन, काशी में रात्रि विश्राम

पीएम मोदी काशी पहुंचने के बाद बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) में परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, फिर महिला सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और उसी दिन काशी में रात्रि विश्राम करेंगे। 29 अप्रैल की सुबह वे ज्ञेंप टपूंदंजी ज्मउचसम में दर्शन-पूजन करेंगे।

29 को करेंगे मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

29 अप्रैल को प्रधानमंत्री तिब्बती संस्थान के रिंपा सेंगपा अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे और इसके बाद हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे।

पीएम मोदी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब पूर्वी भारत में चुनावी माहौल गर्म है। काशी और बंगाल के ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संबंधों के चलते यह जनसभा और महिला सम्मेलन राजनीतिक रूप से भी बड़ा संदेश देने वाला माना जा रहा है। कुल मिलाकर, 28-29 अप्रैल का यह दौरा रेल, रोड, महिला शक्ति और सांस्कृतिक आस्था, चारों मोर्चों पर काशी को नई पहचान देने वाला साबित होने जा रहा है।

आईकेएस हेल्थ ने ग्रामीण और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को मजबूत करने के लिए ट्रूब्रिज के अधिग्रहण के समझौते की घोषणा की

मुंबई। इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड (NSE: IKS) (“IKS HeÔlth”) की अमेरिकी सहायक कंपनी और देखभाल सक्षम बनाने वाले समाधानों में वैश्विक अग्रणी इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस, इंकोपोरेशन (“IKS”), ने आज घोषणा की कि उसने ट्रूब्रिज इंकोपोरेशन (NASDAQ: TBRG) (“TruBridge”), जो ग्रामीण और सामुदायिक हॉस्पिटल्स के लिए हेल्थकेयर टैक्नोलोजी सॉल्युशन्स प्रदान करने वाली एक प्रमुख कंपनी है, के अधिग्रहण के लिए एक निश्चित समझौता किया है। यह प्रस्तावित रणनीतिक अधिग्रहण उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करने और यूएसए में समुदायों की सेवा करने वाले क्लिनिशियन्स और हॉस्पिटल्स को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आज, लगभग हर पांच में से एक अमेरिकी को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आईकेएस हेल्थ की व्यापक देखभाल-सक्षम क्षमताओं, जो विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य संगठनों को सेवा प्रदान करती हैं, को ट्रूब्रिज की ग्रामीण और सामुदायिक हॉस्पिटल्स को रेवन्यू सायकल मेनेजमेन्ट और इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड (EHR) सॉल्युशन्स के माध्यम से समर्थन देने की गहरी विशेषज्ञता के साथ जोड़कर, संयुक्त हेल्थकेयर टैक्नोलोजी कंपनी से स्थानीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने की उम्मीद है। आईकेएस हेल्थ के फाउन्डर और ग्लोबल सीईओ सचिन के. गुप्ता ने कहा, ट्रूब्रिज का स्वागत करते हुए, आईकेएस हेल्थ अपनी सिद्ध क्लिनिशियन-फर्स्ट विशेषज्ञता को महत्वपूर्ण ग्रामीण और कम्यूनिटी हॉस्पिटल बाजार तक विस्तार दे रहा है।